राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 08 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-42 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल बोले- नेता नहीं होता,तो एयरोस्पेस कारोबारी होता

चीन की तारीफ में कहा- इसका इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सिस्टम बेजोड़, लेकिन वह लोकतांत्रिक देश नहीं है

त्रिवेंद्रम(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को त्रिवेंद्रम में कहा कि अगर वे पॉलिटिक्स में नहीं होते, तो एयरोस्पेस की दुनिया में एंटरप्रेन्योर (कारोबारी) होते। राहुल ने कहा कि वे एक पायलट हैं। उनके पिता और चाचा भी पायलट थे। यह परिवार में चलता है। राहुल केरल के दो दिन के दौरे पर हैं। वे टेक्नोपार्क में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IT) फ्रेटरनिटी के साथ बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चाइना के इंडस्ट्रियल सिस्टम की तारीफ की। कांग्रेस सांसद ने कहा- चीन ने एक शानदार इंडस्ट्रियल सिस्टम बनाया है जिसका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन हमें उनका जबरदस्ती वाला सिस्टम पसंद नहीं। वे डेमोक्रेटिक नहीं हैं। राहुल गांधी ने केरल के इडुक्की जिले के कुट्टिकनम में चाय बागान के मजदूरों से बातचीत की और वर्कला के शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की समाधि पर भी गए। चीन ने इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सेक्टर पर मजबूत पकड़ बना ली है। वहीं अमेरिका, भारत और दुनिया के ज्यादातर देश सामान बनाने के बजाय उन्हें इस्तेमाल करने या बेचने वाले सेक्टर पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। असल में ज्यादा और स्थायी नौकरियां प्रोडक्शन सेक्टर में बनती हैं, जबकि IT जैसे सेक्टर ज्यादातर सेवाएं और खपत से जुड़े होते हैं।

बंगाल में कॉन्फ्रेंस की जगह बदलने पर राष्ट्रपति नाराज

बंगाल(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बंगाल में कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर शनिवार को नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। ममता बनर्जी मेरी छोटी बहन जैसी हैं। मैं भी बंगाल की बेटी हूं। उन्होंने कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर कहा कि अगर प्रोग्राम बिधाननगर में होता, तो बेहतर होता। वहां काफी जगह है और बहुत से लोग आ सकते थे। लेकिन मुझे नहीं पता कि राज्य प्रशासन ने वहां मीटिंग की इजाजत क्यों नहीं दी। दरअसल 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पहुंचीं थीं। इसी दौरान उन्होंने छोटे कार्यक्रम स्थल को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि फांसिदेवा में तय किया गया मैदान काफी छोटा था, जिसके कारण कई लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। अगर कार्यक्रम बिधाननगर में होता तो बेहतर होता, क्योंकि वहां ज्यादा जगह है और ज्यादा लोग आ सकते थे। गोशाईपुर में जगह छोटी होने की वजह से कई लोग कार्यक्रम में नहीं आ सके।कार्यक्रम ऐसी जगह रखा गया जहां लोगों का पहुंचना मुश्किल था।

योगी की मां पर मौलाना ने भड़काऊ टिप्पणी की

लखनऊ(एजेंसी)। बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सालिम चतुवेर्दी ने यूपी के CM योगी आदित्यनाथ की मां पर आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान दिया है। इससे भाजपा कार्यकर्ता और योगी फैंस भड़क उठे हैं। शनिवार को लखनऊ में लोगों ने मौलाना का पुतला फूंका। उसे पैरों से कुचला। इससे पहले युवाओं ने हजरतगंज में मौलाना की शव यात्रा निकाली। उसके बाद चौराहे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पुलिस ने छात्रों को रोकने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही। लोगों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने मौलाना के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार करने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे युवकों ने कहा- योगी यूपी के दिल और जान हैं। उनकी मां पूरे भारत की मां हैं। उनके लिए माताएं और बहनें भी प्रदर्शन करेंगी। उधर, भाजपा नेता और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा बिष्ट यादव ने मौलाना पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रदर्शन कर रहे लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्र अभिषेक ने कहा, मौलाना ने हमारे मुख्यमंत्री की मां को गाली दी है। अगर बयान देने वाला शख्स माफी नही मांगता है, तो कल हम लोग इससे बड़ी संख्या में आएंगे, प्रदर्शन करेंगे। ऐसे लोग राजनीति चमकाने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। योगी आदित्यनाथ की नीतियों का विरोध कीजिए, उनके विचारों का विरोध कीजिए, मगर उनकी मां पर टिप्पणी करना बेहद गलत है। कल हमारे घरों से माएं और बहनें बाहर निकलेंगी और प्रदर्शन करने आएंगी। पुतले जैसा मौलाना का हाल करेंगे प्रदर्शन कर रहे जतिन शुक्ला ने कहा, हम लोगों ने बिहार के मौलाना सलीम का पुतला जलाया है। होली और रमजान के पवित्र महीने में उसने अपनी मानसिकता दिखाई है। योगी इतने बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। संत हैं। उनकी मां के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज हम लोगों ने उसका पुतला फूंका है। अभी मौलाना पर मुकदमा लिखवा कर उसे जेल भेजवाने का काम करेंगे। जैसे पुतला जल रहा है, वैसे मौलाना जैसे मानसिकता के लोग भी जलेंगे। मौलाना ने तकरीर के दौरान सीएम आदित्यनाथ की मां को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उत्तर प्रदेश में लागू गोकशी कानून और पुलिस को लेकर गलत बयान दिया। इससे पूरे प्रदेश में आक्रोश है। योगी की मां पूरे भारत देश की मां हैं जतिन ने कहा, ये जांच का विषय है कि क्या ऐसे लोगों को किसी का संरक्षण तो नहीं मिल रहा है। अभी कुछ दिन पहले लखनऊ विश्वविद्यालय में लाल बारादरी प्रकरण में कांग्रेस और सपा के लोग एकता और भाईचारा की बातें कर रहे थे। आज इस विषय पर वह सभी लोग मौन हैं। यह उनकी राजनीतिक गरिमा को दशार्ता है। किसी की मां पर इस तरह की टिप्पणी करना बेहद गलत है। योगी संन्यासी हैं, जो अपने घर परिवार को छोड़कर चले आए थे। योगी की मां पूरे भारत देश की मां हैं। यह टिप्पणी योगी की मां पर नहीं, बल्कि मां भारती पर है। अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत बोले- मौलाना को फांसी पर लटकाना चाहिए मौलाना की टिप्पणी पर अयोध्या के संत-महंत नाराज हैं।

अमित शाह बोले - केदारनाथ से कन्याकुमारी तक खदेड़े जाएंगे घुसपैठिए

हरिद्वार में 3 पाकिस्तानी शरणार्थियों को दी नागरिकता; ए-0 एफ. आई .आर सिस्टम शुरू

हरिद्वार(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरिद्वार में आयोजित राज्य सरकार के 4 साल बेमिसाल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया था और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संवार रहे हैं। केदारनाथ धाम से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, उन्हें चुन-चुनकर भारत से बाहर निकालने का काम किया जाएगा। एक दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे शाह का देहरादून के जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने स्वागत किया। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से हरिद्वार के बैरागी कैंप मैदान पर पहुंचे। यहां उन्होंने ए-0 FIR प्रणाली की शुरूआत की और 1129.91 करोड़ रुपए की 39 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। जिसके बाद CAA के तहत 3 पाकिस्तानी और 1 अफगानिस्तानी शरणार्थी को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे। अमित शाह ने कहा कि देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, उन्हें चिन्हित कर भारत से बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। शाह ने कहा कि हरिद्वार का कुंभ पूरे भारत की आस्था का केंद्र है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में कुंभ के साथ उत्तराखंड में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में 1129.91 करोड़ रुपए की 39 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। शाह ने कहा कि इससे राज्य के विकास को और गति मिलेगी। शाह ने कार्यक्रम में 4 शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों से आए हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देना भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता है। शाह ने कहा कि आज युवाओं को नौकरी पाने के लिए न पर्ची चाहिए और न ही खर्ची। पारदर्शी व्यवस्था के कारण युवाओं को मेरिट के आधार पर रोजगार मिल रहा है। अमित शाह ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के निर्माण के लिए यहां के युवाओं ने लंबा संघर्ष किया था। उस समय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने आंदोलनकारियों पर दमन किया था। रामपुर तिराहा कांड को उत्तराखंड कभी नहीं भूल सकता।

घुसपैठियों पर सख्ती का ऐलान

अमित शाह ने कहा कि देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, उन्हें चिन्हित कर भारत से बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को इसका सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा।

2027 में कुंभ के साथ फिर बनेगी भाजपा सरकार

शाह ने कहा कि हरिद्वार का कुंभ पूरे भारत की आस्था का केंद्र है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 में कुंभ के साथ उत्तराखंड में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

ममता बनर्जी का धरना दूसरे दिन भी जारी

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना शनिवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी है। ममता ने शुक्रवार की रात धरना स्थल पर ही बिताई। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन (SIR) में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। ममता बनर्जी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि पोस्ट SIR में वोटर लिस्ट से वोटर्स के नाम हटाना हटाना बंगाल को बांटने के इरादे से किया गया है। भाजपा बंगाल को बांटकर वोट छीनने की योजना बना रही है। वे (भाजपा नेता) अन्य राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को परेशान कर रहे हैं और बंगालियों को उनके वोट देने के अधिकार से वंचित करने की साजिश रच रहे हैं। धरना स्थल पर ममता के साथ तृणमूल कांग्रेस (TMC) के वरिष्ठ नेता, विधायक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद हैं। ममता ने कहा कि 10वीं पास कर चुके 21-40 वर्ष के युवा बेरोजगार लड़के-लड़कियों को 7 मार्च से प्रति माह 1,500 रुपए मिलेंगे। यह सहायता मूल रूप से अप्रैल में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब यह तुरंत शुरू हो जाएगी। LPG की कीमतें फिर से बढ़ा दी गई हैं। अब आपको 21 दिन पहले गैस बुक करानी होगी, तो अगर आपके घर में LPG खत्म हो जाए तो आप 21 दिन क्या करेंगे? खाएंगे क्या? क्या आप घर पर खाना मंगवाएंगे? यहां तक कि केरोसिन का कोटा भी कम कर दिया गया है। ममता ने दावा किया कि उन्होंने एक दिन पहले एक ट्वीट में देखा था कि बंगाल और बिहार को विभाजित करके एक केंद्र शासित प्रदेश बनाया जा सकता है।

जींद की फैक्ट्री में आग, 5 महिलाओं की मौत

17 मजदूर झुलसे; मेन गेट पर बाहर से ताला लगा था, निकल नहीं पाए तो छत से कूदे

जींद(एजेंसी)। हरियाणा के जींद में शनिवार को होली के गुलाल और रंग बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 17 मजदूर झुलस गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। घटना सफीदों की भाट कॉलोनी की है। आरोप है कि फैक्ट्री के मेन गेट पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जब फैक्ट्री में आग लगी तो मजदूर बाहर नहीं निकल पाए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि आग कैसे लगी। सूचना पर DC मोहम्मद इमरान रजा और SP कुलदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, सफीदों की भाट कॉलोनी में स्थित एक रंग फैक्ट्री में शनिवार को अन्य दिनों की तरह लगभग 30 मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक आग लग गई और कुछ ही मिनटों में यह पूरे परिसर में फैल गई। चारों ओर धुएं और आग की लपटें उठने के कारण मजदूरों में चीख-पुकार मच गई। कुछ लोग जान बचाने के लिए छत से कूदे आग फैक्ट्री के प्रवेश द्वार के पास लगी थी, जिसका संभावित कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। आग लगने के बाद अंदर

यूपी में भीषण गर्मी पड़ने वाली है:2023 के बाद सबसे गर्म रहा मार्च का पहला सप्ताह

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी में गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। तीन साल बाद मार्च के पहले सप्ताह में ही पारा 35 डिग्री सेल्सियस क्रॉस कर चुका है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पारा इसी माह 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। IMD के मुताबिक, मार्च से मई 2026 के बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से ज्यादा रह सकता है। साल 2025 में मार्च के पहले सप्ताह में यूपी के ज्यादातर शहरों में दिन का तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया था, जबकि रात का तापमान लगभग 14 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। वहीं, 2026 में 1 मार्च को अधिकतम तापमान 32.5 दर्ज किया गया। यूपी में मार्च की शुरूआत इस बार ज्यादा गर्म रही। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार- 1 मार्च, 2026 को दिन का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले तीन साल में मार्च की शुरूआत का सबसे अधिक तापमान रहा है। इससे पहले 2023 में 1 मार्च को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं, अन्य वर्षों में मार्च के पहले दिन तापमान इससे कम रहा था।

योगी बोले-अयोध्या की तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बनेगा भव्य मंदिर

मथुरा(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मथुरा पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा- ब्रज भूमि की रज-रज में भगवान कृष्ण और राधा रानी की स्मृतियां बसी हैं। भगवान की कृपा रही तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह मथुरा में भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि का भव्य मंदिर बनेगा। ब्रज में होली का उत्सव सदैव जीवंत रहता सीएम योगी ने कहा- ब्रज भूमि में होली का उत्सव सदैव जीवंत रहता है और इस उत्सव से जुड़ना हर किसी के लिए सौभाग्य की बात होती है। भले ही उस समय मैं ब्रज में मौजूद नहीं था, लेकिन जहां भी था, वहीं से ब्रज की होली के रंग और उल्लास को देख रहा था। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव, नंदगांव और गोवर्धन समेत पूरे ब्रज क्षेत्र में लाखों श्रद्धालुओं ने जिस उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया, वह हर किसी को अभिभूत करने वाला था। रंग और उमंग की यह परंपरा भारत की महान सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है। दोपहर करीब 2 बजे मुख्यमंत्री योगी का हेलीकॉप्टर आगरा से सीधे वृंदावन स्थित पवन हंस हेलीपैड पर उतरा। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सीएम योगी ने ब्रज तीर्थ विकास परिषद की 8वीं बोर्ड

बैठक में हिस्सा लिया। करीब एक घंटे तक चली बैठक में ब्रज क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पर्यटन थाना का उद्घाटन किया। इसके बाद वह श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने दर्शन-पूजन किया। इसके बाद सीएम योगी ने लखनऊ के लिए रवाना हो गए। उधर, बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण का विरोध कर रहे सेवायत गोस्वामियों को एहतियातन नजरबंद रखा गया है, जिससे किसी तरह की अव्यवस्था न हो। सीएम योगी आदित्यनाथ ब्रज तीर्थ विकास परिषद की 8वीं बोर्ड मीटिंग की। इसके बाद सीएम योगी कृष्ण जन्मस्थान मंदिर पहुंचें। यहां पर वह भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करेंगे। ब्रज तीर्थ विकास परिषद की 8वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यटन थाना का उद्घाटन किया।

मथुरा में महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा यमुना जल शुद्धीकरण में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन देने का कार्यक्रम तय किया गया था, लेकिन इससे पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम को उनके घर पर नजरबंद कर दिया। कांग्रेस का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर यमुना जल शुद्धीकरण की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना चाहता था। यतेंद्र मुकद्दम ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश के होते हैं और विपक्ष को भी अपनी समस्याएं उनके सामने रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यमुना शुद्धीकरण में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ कांग्रेस आगे भी आवाज उठाती रहेगी। सीएम के आगमन से पहले बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर निर्माण का विरोध करने वाले सेवायत गोस्वामियों के घर पर पुलिस तैनात है। सेवायत नीलम गोस्वामी, सुनीता गोस्वामी, राधा मिश्रा, रेनू गोस्वामी को घर में ही पुलिस ने नजरबंद कर रखा है। सीएम स्वयं उत्तर प्रदेश तीर्थ विकास परिषद के अध्यक्ष भी हैं, इसलिए इस बैठक को ब्रज क्षेत्र के विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह बैठक वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान परिसर में बने यमुना एक्सप्रेस वे विकास प्राधिकरण के सभागार में हो रही है।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- किसी की औकात नहीं मुझे शंकराचार्य न माने

'जिंदा हिंदू लखनऊ चलें'- लिखे पोस्टर बांटे; गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा करेंगे

वाराणसी(एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने ये बातें काशी में लखनऊ रवाना होने से पहले शनिवार को कहीं। शंकराचार्य ने इस आंदोलन को गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध सभा का नाम दिया। वह 11 मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे। यहां हजारों संतों की मौजूदगी में सभा करेंगे। इसमें सरकार से गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग करेंगे। शंकराचार्य ने 30 जनवरी को योगी सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने तब कहा था- गाय को राष्ट्रमाता घोषित करें। वरना आंदोलन करेंगे। शंकराचार्य काशी से 5 दिन बाद लखनऊ पहुंचेंगे। काशी से शंकराचार्य पहले जौनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- हमारे शंकराचार्यों पर सवाल उठाने का अधिकार किसी को नहीं है। हमारे धर्म में 4 शंकराचार्य हैं। जब सर्वोच्च शंकराचार्यों ने मेरा अभिषेक कर दिया, तो फिर किसी की क्या औकात है कि वह कहे, हम इन्हें नहीं मानते। उन्होंने कहा कि जो शंकराचार्य बनाता है, उसी को हटाने का भी अधिकार है। इसके बाद शंकराचार्य सुल्तानपुर पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- अरे पहले गो-माता की हत्या तो बंद कराओ। आज हिंदू राष्ट्र घोषित कर दोगे, तो क्या कल सवेरे से वहां गो-हत्या बंद हो जाएगी? इससे पहले प्रतापगढ़ पहुंचे शंकराचार्य का स्वागत किया गया। यहां यूजीसी से जुड़े कानून को लेकर शंकराचार्य ने कहा कि जो लोग मंच से बंटेगे तो कटोगे जैसे नारे लगाते हैं। वही ऐसे कानून लेकर आते हैं, जिनसे समाज में मतभेद पैदा हो सकता है। शंकराचार्य की यात्रा में 20 से अधिक गाड़ियां हैं। 500 से अधिक श्रद्धालु साथ हैं। इस दौरान लोगों को पोस्टर बांटे गए। इनमें लिखा है- जिंदा हिंदू लखनऊ चलें। इससे पहले, शंकराचार्य सुबह 8.30 बजे मठ से निकलकर गौशाला पहुंचे। गाय की पूजा की। फिर पालकी पर सवार हुए। मठ से 300 मीटर दूर स्थित चिंतामणि गणेश मंदिर पहुंचे। यहां 11 बटुकों ने उनका स्वागत किया। फिर पूजा-अर्चना कर संकट मोचन मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और अपने संकल्प को दोहराया। इसके बाद शंखनाद और जयकारों के बीच अपनी वैनिटी वैन से लखनऊ के लिए रवाना हुए। डिप्टी CM केशव प्रसाद मौर्य के लखनऊ में स्वागत वाले बयान पर शंकराचार्य ने कहा- जिसके मन में जो है, यही मौका है, बोल दे। जो गाय के पक्ष में है, वो बोल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आधी दुनिया पर बढ़ते अत्याचार कब रुकेंगें

देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है। सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी।

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

8 मार्च 2026 विश्व महिला दिवस पर विशेष)

बेशक 8 मार्च 2026 को विश्व महिला दिवस मनाया जा रहा है। महिला दिवस पर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। है।साल 1910 में कोपेनहेगन मे कामकाजी महिलाओं द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था।जिसमें 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के तौर पर हर साल मनाने का सुझाव दिया गया था।तभी से विश्व महिला दिवस मनाया जाने लगा है। सबसे पहले 1911 में आस्टरिया डेनमार्क जर्मनी औा स्विटजरलैंड में विश्व महिला दिवस मनाया गया था।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छु रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो बस सड़क गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है।प्रतिदिन हैवानियत की हदें लांघी जा रही है महिलाओं की अस्मिता का जनाजा निकाला जा रहा है।कश्मीर से कन्याकुमारी तक महिलाएं असुरक्षित है।आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है।2020 में लाकडाउन के समय महिलाएं सुरक्षित थी मगर ज्यों ही लाकडाउन खुल गया हैवानों ने हैवानियत शुरु कर दी थी।2025 में भी दरिदगी की हदें पार होती रही थी।आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देश के लिए अशुभ संकेत है।वर्ष 2026में भी हालात सुधर नहीं रहे है देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं।बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है।यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं।आज महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय-समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं।बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी अपराध की तारीख बदल जाती है मगर तस्वीर नहीं बदलती। हर रोज अस्मत लूटी जा रही है।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है।जंगलराज स्थितियां बन रही है।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है।वर्ष 2026 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है।साल के दो माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। प्रतिदिन इन अपराधों में इजाफा होता जा रहा है।देश में दरिदगी की वारदाते कब रुकेगीं।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। 2025 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2026 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारो की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर 8 मार्च तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हुई हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मों की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं।निर्भया के दरिदों को तो उनके पाप की सजा फांसी के रुप में मिल गई स्वच्द्ध। देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे है। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है।हिमाचल में हुए गुड़िया कांड ने भी देवभूमि को हिला कर रख दिया था। दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किरायेदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था।दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे ।कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं।फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके ।यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें ।इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिदें देश के लिए घातक हैऐसे दरिदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें ।ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है । समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है । ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने होगे ।ऐसे दुष्कर्म सामाजिक मूल्यों का पतन दर्शातें है कि समाज में विकृत मानसिकता के लोगों का बोलबाला होता जा रहा है ।इन मामलों से इन्सानियत तार-तार हो रही है ।समाज को ऐसे अपराधिक प्रवृति के लोगों की पहचान करनी होगी । यदि अब भी समाज के लोगों ने इन दरिदों को सबक नहीं सिखाया तो फिर से कोई और लड़कीयां व महिलाएं दरिदों की दरिदगी का शिकार होती रहेगी । अब समाज को जागना होगा ,दरिदों का खात्मा करना होगा ।कानून के रखवालो को भी समाज में घटित इन हादसों पर गहराई से चितंन करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे प्रकरणों पर विराम लग सके । ऐसे लोगो को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। अगर यह प्रवृति बढ गई तो हालात बेकाबू हो जाएगें ।

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दर्शाती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं। उन परिवारों में जहां एक ही मोबाइल फोन का परिवार के अन्य सदस्य भी उपयोग करते हैं, वहां प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवाल लग सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह साल से कम उम्र के बच्चों के लिये सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लागू है। वहीं दूसरी ओर फ्रांस जैसे अन्य देश भी सख्त डिजिटल सुरक्षा नियमों को लागू करने को लेकर गंभीर हैं। इसमें दो राय नहीं कि बच्चों को बेहतर डिजिटल सुरक्षा दी जानी जरूरी है, लेकिन केवल नियमन मात्र से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं हो सकता है। इस दिशा में सार्थक परिवर्तन सरकारों, स्कूलों, तकनीकी प्लेटफॉर्मों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से अभिभावकों के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओ के सम्मान में परिसंवाद की जरुरत

(लेखक-संजय गोस्वामी)

परिसंवाद एक औपचारिक वैचारिक सभा है, जहाँ विशेषज्ञ किसी निश्चित विषय या समस्या पर अपने विचार, शोध और दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं। इसमें प्रश्नोत्तर, परिचर्चा और गहन विश्लेषण के माध्यम से विषय की व्यापक खोज की जाती है। यह एक संरचित संवाद विधि है, जो अंत:क्रिया **(interaction)** को प्रोत्साहित करती है।हर साल 8 मार्च के दिन को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। 8 मार्च, 1917 को, रूस के पेट्रोग्राड में महिलाओं ने चार दिनों तक हड़ताल की, और अंतत: मतदान का अधिकार जीत लिया - यह एक महत्वपूर्ण क्षण था जिसके कारण 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की आधिकारिक तिथि के रूप में स्थापित किया गया। इस दिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1975 में आधिकारिक रूप से मान्यता दी गई थी। अत: महिलाओ के सम्मान हेतु हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई व एसोसिएशन ऑफ़ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया द्वारा दिनांक 6 मार्च 26 को शाम 7 बजे एक नेशनल वेबिनार का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में शाम 7 बजे ए एम एफ आई की ओर से ऑनलाइन मोड में परिषद के आमंत्रित वार्ताकार डॉ संजय कुमार अग्रवाल ने लेटस टॉक ऑफ मनी विषय पर अपना व्याख्यान दिया जैसा की मालूम है एसोसिएशन ऑफ़ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया **(AMFI)** भारत में सभी रजिस्टर्ड एसेट मैनेजमेंट कंपनियों की सबसे बड़ी संस्था है। इसे 22 अगस्त, 1995 को बनाया गया था, ताकि तेज़ी से बढ़ते म्यूचुअल फंड सेक्टर को रेगुलेट करने के लिए स्टैंडर्ड्स के एक बड़े सेट और एक भरोसेमंद मीडिएटर की ज़रूरत को पूरा किया जा सके।वहीँ हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई का गठन मुंबई के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान को हिंदी में जनमानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से 1968 में इसका गठन हुआ जिसमें राष्ट्रभाषा प्रेम, जनसामान्य तक वैज्ञानिक साहित्य को पहुंचाने, वैज्ञानिक साहित्य की रचना तथा प्रसार के काम को सुसंगठित रूप में चलाने के उद्देश्य से हुआ था। परिषद की गतिविधियों में सबसे मुख्य एवं स्थाई गतिविधि वैज्ञानिक पत्रिका का नियमित प्रकाशन है वेबिनार का परिचय हेतु परिषद के अध्यक्ष के के वर्मा ने वेबिनार के बारे व परिषद के बारे में अपना विचार व्यक्त किया तत्पश्चात परिषद के कार्यकारणी के सदस्य श्री प्रकाश कश्यप ने वार्ताकार का परिचय दिया उन्होंने बताया की डॉ. संजय कुमार अग्रवाल एक जाने-माने एकेडमिशियन, डेटा साइंटिस्ट, फाइनेंशियल लिटरेसी एक्सपर्ट और एंटरप्रेन्योरशिप मेंटर हैं, जिनका एजुकेशन, रिसर्च, इनोवेशन और स्टार्टअप इकोसिस्टम डेवलपमेंट में काफी रिकॉर्ड है। उनकी एक्सपर्टीज़ मैथमेटिकल मॉडलिंग, स्टैटिस्टिकल एनालिसिस, डेटा साइंस, फाइनेंशियल लिटरेसी और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट तक फैली हुई है। पीएच.डी. के साथ गणितीय मॉडलिंग में स्नातक और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूएसए से डी. स्टैट के साथ, डॉ. अग्रवाल ने शैक्षणिक और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है फिर की नोट स्पीकर डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने लेटस टॉक ऑफ मनी पर शाम 7.00 बजे वेबिनार में यह बताया की यह कार्यक्रम इंटरनेशनल विमेंस डे पर आयोजित किया गया है जैसा की मालूम है हर साल इंटरनेशनल विमेंस डे,8 मार्च को मनाया जाता है जो दुनिया भर में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का दिन है।अत: महिलाओ में पैसा को सही तरीके से निवेश की समझ हो और जागरूकता पैदा हो ओर यह कार्यक्रम सिर्फ महिलाओ हेतु नहीं बल्कि आम नागरिक को निवेश की सही जानकारी मिले पर चर्चा की बात पैसे की. पैसा कमाने के लिए . उनका प्रमुख उद्देश्य ऐसी व्यवस्था के बारे में बताना है जिससे जीवन-भर की कमाई के बारे में हम निर्णय ले सकें और पूरे साल चिंता से मुक्त रहें।लेट्स टॉक में म्यूचुअल फंड्स में सही तरीके से कैसे निवेश करें इसके बारे में वार्ताकार ने बताया उन्होंने बताया की म्यूचुअल फंड्स म्यूचुअल फंड्स की कार्यप्रणाली और सोच-समझकर निवेश संबंधी निर्णय लेने के तरीके को समझने के लिए हमें सही कंपनी में निवेश कैसे करें ताकि आपका पैसा सुरक्षित

रहे । उन्होंने बताया कि म्यूचुअल फंड्स के विभिन्न प्रकारों, उनके अलग-अलग जोखिम कारकों और कर संबंधी प्रभावों को सरल भाषा में समझाया है।8 बजे वार्ताकार ने सभी प्रतिभागी को धन्यवाद किया व तत्पश्चात परिषद के सह सचिव ने वेबिनार के प्रश्न क्रम- में वार्ता सम्बंधित प्रश्न पूछने हेतु आग्रह किया और इसमें दो प्रश्न जैसे गोल्ड, सिल्वर और प्रॉपर्टी में निवेश और हेल्थ इन्सुरेंस पर प्रश्न पूछे गए इसका उत्तर देते हुए डॉ संजय कुमार अग्रवाल ने किसी भी निवेश हेतु फाइनेंस के एक्सपीरियंस एक्सपर्ट से राय लेने व हेल्थ इन्सुरेंस को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताया जो सभी के लिए जरुरी है क्योंकि स्वस्थ ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है उसके बाद वार्ता का सार परिषद के अध्यक्ष शी के के वर्मा ने व परिषद के सचिव ने अपने विचार प्रस्तुत किये अन्त में धन्यवाद प्रस्ताव श्री प्रकाश कश्यप ने दिया और वार्ता के सफल आयोजन हेतु परिषद व एएमएफआई व सभी प्रतिभागी को धन्यवाद दिया और शुभकामनायें प्रेषित की और वार्ता का समापन 8:30 बजे शुभ रात्रि संपन्न हुआ. निश्चित रूप से खाड़ी देश में युद्ध के माहौल में जिस तरह मंदी का दौर चल रहा है और शेयर मार्केट में गिरावट आ रही है वैसे में पैसे का सही निवेश हेतु यह कार्यक्रम उपयोगी साबित हुआ।

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर।

इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

विचार मंथन

खाड़ी देशों में खुली अमेरिका की कलई

(लेखक--सनत जैन)

सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की आशंका

अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊपर हमला किया। इस हमले में ईरान को बड़ा नुकसान हुआ, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस युद्ध में सबसे बड़ा नुकसान ईरान के सुप्रीमो और शिया समुदाय के सबसे बड़े धार्मिक गुरु आयतुल्लाह खामेनेई और लगभग दो दर्जन से अधिक ईरान के प्रमुख नेता इस युद्ध में शहीद हो गए हैं। जिसके कारण युद्ध ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया है। इस युद्ध में इजरायल और अमेरिका को बड़ा नुकसान होने जा रहा है, जिसकी कल्पना अमेरिका और इजरायल ने शायद नहीं की थी। अमेरिका ने खाड़ी देशों में सैन्य बल स्थापित करके खाडी देशों को सुरक्षा देने के नाम पर हर साल अरबो रुपए वसूल किये थे। जब सुरक्षा का समय आया, तब अमेरिका खाड़ी देशों की सुरक्षा नहीं कर पाया। ईरान के ड्रोन और मिसाइलों ने बड़े पैमाने पर खाडी देशों के अमेरिकी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। खाडी देशों को उनके हाल पर छोड़कर अमेरिका खुद अपने बचाव में लग गया। खाड़ी देशों का आयात और निर्यात व्यापार पूरी तरह से ठप्प हो गया है। खाड़ी देशों के शासको को लग रहा है, पिछले कई दशक से अमेरिका उन्हें सुरक्षा के नाम पर लूट रहा था। सुरक्षा देने के नाम पर अरब देशों का शोषण, आपस में लड़ाकर, अमेरिका अपना आर्थिक हित साधकर उल्लू सीधा कर रहा था। खाड़ी देशों के शासक अब अमेरिका पर भड़क रहे हैं।

इजरायल और अमेरिका ने अपने निजी हितों को ध्यान में रखते हुए जिस तरह से ईरान के ऊपर हमला थोपा है, इसके बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था लगभग तीन दशक पीछे जाती हुई दिख रही है। तेल की कीमतों में भारी वृद्धि देखने को मिल रही है। प्राकृतिक गैस की कमी विश्व के अधिकांश देशों में हो चुकी है। पिछले कई वर्षों से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है। इसके चलते पूरी दुनिया में अराजकता की स्थिति बनी हुई थी। अमेरिका के 70 फ़ीसदी लोगों का मानना है, यह युद्ध अमेरिका का नहीं है। अमेरिकी नागरिक और विपक्षी दल इस युद्ध का विरोध कर रहे हैं। इस युद्ध के कारण वैश्विक अर्थ व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। दुनिया में आर्थिक मंदी की संभावना तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही है। 1993 में वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद सारी दुनिया के देशों में एक दूसरे से व्यापार करने तथा विकास के लिए ऋण लेकर विकास कार्य शुरू होने से अर्थ व्यवस्था बड़ी तेजी के साथ बढ़ी थी। वह व्यवस्था ध्वस्त होती हुई दिख रही है। जिन देशों ने वैश्विक वित्तीय संस्थानों से बड़ी मात्रा में कर्जा लिया है। नागरिकों को भी बड़े पैमाने पर पिछले 20 वर्षों में कर्ज दिया गया है। कर्ज की अर्थव्यवस्था के कारण पिछले 30 सालों में दुनिया का व्यापार और व्यवसाय कई गुना बढ़ गया था। उधार की अर्थव्यवस्था चरम पर है। वर्तमान स्थिति में सरकारों और नागरिकों को ब्याज और मूल चुकाना मुश्किल हो रहा है। ऐसी स्थिति में रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-फिलिस्तीन युद्ध के चलते पहले ही अर्थव्यवस्था डंवाडोल हो रही थी। रही सही कसर अमेरिका-इजराईल ईरान के युद्ध ने पूरी कर दी है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ यह युद्ध शुरू क्यों किया है। इसका कारण स्पष्ट नहीं है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी ने जांच के बाद स्पष्ट कर दिया था, ईरान कोई परमाणु बम नहीं बना रहा है। इसके बाद भी इजराइल के उकसाने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध में शामिल हुए हैं। इससे अमेरिका की जनता में नाराजी देखने को मिल रही है। माना जा रहा है, एपिस्टीन फाइल में अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी नाम है। 13 साल की नाबालिग लड़की का उन्होंने यौन शोषण किया था। एपस्टीन के साथ ट्रंप के बड़े अंतरंग संबंध थे। नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के आरोप में अमेरिका की न्यायालय में जांच चल रही है। इससे बचने के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध को छेड़ा है, यह आरोप उनके ऊपर लग रहा है। भारत में भी एपस्टीन फाइल मे हरदीप पुरी अनिल अंबानी और कई अन्य नेताओं के नाम होने से भारत पर भी इसी तरह के आरोप हैं। एपस्टीन फाइल मे नाम होने से बचने के लिए भारत का राजतंत्र इजराइल और अमेरिका का साथ देकर भारतीय विदेश नीति का उल्लंघन कर रहा है। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में बनती चली जा रही है, उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका भी गहराने लगी है। सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी की संभावना बढ़ गई है। कच्चे तेल के दाम 60 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर एक सप्ताह के अंदर 83 डॉलर पर पहुंच गए हैं। तेल-गैस के दाम बढ़ने का सबसे बड़ा असर महंगाई पर पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण दुनिया भर के आम लोगों की क्रय शक्ति घटती चली जा रही है। जिससे सारी दुनिया की अर्थ व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। इसी बीच रूस- चीन जैसी महाशक्तियां ईरान के समर्थन में आ गई हैं।

वैश्विक व्यापार को लेकर अधिकांश देशों से चुनौती अमेरिकी डॉलर को मिलना शुरू हो गई है। अर्थ व्यवस्था की स्थिरता के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है। आगे क्या होगा इसका गुणा-भाग कोई नहीं लगा पा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहने को मजबूर होना पड़ रहा है, होगा वही जो मंजूरे खुदा या मंजूर भगवान को होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिम एशिया संकट से भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित दबाव

- बढ़ती तेल व उर्वरक कीमतें बढ़ा सकती है महंगाई

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में भारतीय रुपये की विनिमय दर पर दबाव बढ़ सकता है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल और एलएनजी जैसे बड़े आयातों पर निर्भरता के कारण मुद्रा अवमूल्यन का खतरा है। साथ ही सुरक्षित निवेश की ओर वैश्विक पूंजी प्रवाह भी रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। पेट्रोलियम और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें महंगाई बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती हैं। हालांकि, भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और नियंत्रित महंगाई के कारण वैश्विक मूल्य वृद्धि का असर आंशिक रूप से संतुलित है। वित्त मंत्रालय ने चेताया है कि संकट लंबे समय तक जारी रहा तो यह दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू खाता घाटा फिलहाल कम है और बाहरी क्षेत्र स्थिर बना हुआ है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय व्यापार कूटनीति निर्यात गंतव्यों का विविधीकरण कर रही है, जिससे मध्यम अवधि में बाह्य मजबूती बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत और वास्तविक सकल मूल्यवर्धन वृद्धि 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी 2026 में आर्थिक गतिविधियां मजबूत रहीं, जिसमें लॉजिस्टिक गतिविधियों, पीएमआई विस्तार और मजबूत मांग ने योगदान दिया।

कश्मीर में सूखे का खतरा- स्कॉस्ट-कश्मीर ने किसानों को जारी की अर्जेंट एडवाइजरी

- किसानों से कहा गया, वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं

श्रीनगर। शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ कश्मीर (स्कॉस्ट-कश्मीर) के विशेषज्ञों ने कश्मीर घाटी में लगातार बढ़ते तापमान और बारिश की कमी को देखते हुए किसानों के लिए शुक्रवार को एक अर्जेंट एडवाइजरी जारी की। किसानों से कहा गया है कि वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं। फलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह यह है कि पेड़ों के बेसिन में 4-6 इंच ऑर्गैनिक मल्च जैसे धान का भूसा या घास की कतरन डाली जाए। स्कॉस्ट विशेषज्ञों ने पॉलीथीन जैसी इनऑर्गैनिक मल्च के इस्तेमाल से बचने की चेतावनी दी है, क्योंकि यह मिट्टी का तापमान बढ़ा सकता है और जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। सिंचाई की कमी वाले खेतों में जब तक मिट्टी में पर्याप्त नमी न हो, फर्टिलाइजर का इस्तेमाल न करें। गेहूं, सरसों और मटर की फसलों में इंटरकल्चरल ऑपरेशन से खरपतवार हटाना प्राथमिकता हो। यूरिया का इस्तेमाल 2.5 किलोग्राम प्रति कनाल तक सीमित होना चाहिए और केवल तभी जब मिट्टी में नमी पर्याप्त हो। ट्यूलिप की खेती में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और बार-बार सिंचाई करने की सलाह दी गई है। टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च और पत्तागोभी के नर्सरी बैड को शैड नेट या पुआल से ढककर गर्मी के तनाव को कम किया जा सकता है। मछली पालन में एरेशन सिस्टम से घुले ऑक्सीजन को 6 एम.जी./लीटर से ऊपर बनाए रखना अनिवार्य है। पानी की गहराई 1.5-2 मीटर रखी जाए और कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्रों में फीडिंग रेट 1-1.5 फीसदी वजन तक कम करें। इस मौसम में मछलियों की सेहत के लिए विटामिन-सी और प्रोबायोटिक्स के साथ हाई-प्रोटीन फ्लोटिंग पेलेट्स का प्रयोग जरूरी है।

सोना-चांदी में तेजी, अमेरिकी जॉब डेटा से बढ़ा निवेशकों का दबाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही। सोने का भाव 104 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस बढ़कर 5182 डॉलर पर पहुंच गया। वही सिल्वर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स 3.15 डॉलर बढ़कर 85.33 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस पर कारोबार कर रहे थे। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका से आए कमजोर जॉब आंकड़े हैं। फरवरी में 92,000 नौकरियां गईं, जबकि अर्थशास्त्रियों को केवल 50,000 नौकरियों की उम्मीद थी। बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक बढ़ गई है। कमजोर रोजगार आंकड़े अमेरिकी सेंट्रल बैंक पर ब्याज दरों में कटौती का दबाव बढ़ा रहे हैं। भारतीय बाजार में एमसीएक्स फ्यूचर्स में सोने ने 2839 रुपये की तेजी के बाद 162,512 रुपये प्रति 10 ग्राम छुआ। चांदी ने 8309 किलोग्राम की उछाल के साथ 270,500 रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर प्राप्त किया। हालांकि, सर्राफा बाजार में मुनाफावसूली के चलते सोना 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 600 रुपये गिरकर 2,71,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

भारत और चीन मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ा देने वाले, आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट में बताया

अमेरिका का कुल योगदान 9.9 फीसदी, वहीं भारत-चीन का 44 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को लेकर ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ 2026 रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और भारत मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ते दिख रहे हैं। आईएमएफ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत और चीन दोनों मिलकर विश्व के 43.6 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का हिस्सा हैं। इसके अलावा, एशिया-पैसिफिक की हिस्सेदारी कुल ग्रोथ का 50 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। वहीं रिपोर्ट में सिर्फ चीन का जीडीपी ग्रोथ 26.6 फीसदी और भारत का 17 फीसदी बताया गया है। आईएमएफ ने अपनी ग्लोबल रिपोर्ट में अमेरिका का 9.9 फीसदी, इंडोनेशिया का 3.8 फीसदी, तुर्किए का 2.2 फीसदी, सऊदी अरब का 1.7 फीसदी, वियतनाम का 1.6 फीसदी, नाइजीरिया का 1.5 फीसदी, ब्राजील का 1.5 फीसदी और जर्मनी का 0.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वहीं भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने लिखा, 2026 में, चीन से ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ में 26.6 फीसदी योगदान की उम्मीद है, जबकि भारत 17 फीसदी और जोड़ेगा। हम मिलकर वैश्विक विकास में करीब 44 फीसदी का योगदान देने वाले है।

बता दें, चीन ने 2026 के लिए अपने जीडीपी ग्रोथ का टारगेट 4.5 से 5 फीसदी तक रखा है। 1991 के बाद से यह अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। वहीं दूसरी ओर भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। हालांकि, चीन और भारत के प्रति व्यक्ति जीडीपी में भारी अंतर है। आंकड़ों के अनुसार, चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत की तुलना में लगभग 4.76 गुना अधिक है। वर्ष 2025 के अनुमानों के मुताबिक, चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी 13,687 डॉलर थी, जबकि भारत के लिए यह आंकड़ा 2,878 डॉलर रहा।

आईएमएफ की शीर्ष 10 देशों की सूची में अन्य देशों में अमेरिका से वैश्विक जीडीपी वृद्धि में करीब 9.9 प्रतिशत योगदान का अनुमान है। इसके बाद इंडोनेशिया 3.8 प्रतिशत, तुर्किए 2.2 प्रतिशत, सऊदी अरब 1.7 प्रतिशत और वियतनाम 1.6 प्रतिशत योगदान दे सकते हैं। वहीं नाइजीरिया और ब्राजील दोनों का योगदान लगभग 1.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इस सूची में जर्मनी 10वें स्थान पर है और उससे वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 0.9 प्रतिशत योगदान का अनुमान है। इसके अलावा यूरोप के अन्य देश आईएमएफ की शीर्ष 10 सूची में शामिल नहीं हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की 2025 की आर्थिक विकास दर का अनुमान 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट में आईएमएफ ने कहा कि यह संशोधन चालू वित्त वर्ष (जो 31 मार्च 2026 को समाप्त होगा) की चौथी तिमाही में मजबूत आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए किया गया है। आईएमएफ के अनुसार, अगले वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि इसमें थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन इसके बावजूद भारत उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विकास का प्रमुख इंजन बना रहेगा।

अदानी ने बढ़ाए तीन गुना गैस के रेट, आम लोगों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली । देश में गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह द्वारा आपूर्ति की जाने वाली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) की कीमतों में अचानक तीन गुना तक बढ़ोतरी की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक गैस का दाम करीब ₹40 प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़ाकर लगभग 120 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी को लेकर कई सामाजिक और राजनीतिक वर्गों में चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि इतनी बड़ी कीमत वृद्धि से घरेलू पाइप्ड गैस (पीएनजी) और औद्योगिक गैस की लागत पर सीधा असर पड़ सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि ऐसी परिस्थितियों में गैस की कीमतों पर नियंत्रण और पारदर्शिता जरूरी है। उनका आरोप है कि संकट के समय कंपनियों को अत्यधिक मूल्य वृद्धि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि सरकार या कंपनी की ओर से इस बढ़ोतरी पर आधिकारिक विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति की स्थिति भी कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखा एक साल से भी ज्यादा का दबाव

- कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया

मुंबई ।

इस हफ्ते 6 मार्च को समाप्त भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाया। परिणामस्वरूप हफ्ते के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह होली के अवसर पर शेयर बाजार 3 मार्च को बंद रहा, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को ही बाजार लाल निशान में शुरू हुआ। शुरुआती सत्र में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 312.95 अंक की गिरावट के साथ 24,865.70 पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत निवेशकों की सतर्कता को बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। बुधवार को भी स्थिति अनुकूल नहीं रही। सेंसेक्स 1,122.66 अंक गिरकर 79,116.19 पर और निफ्टी 385.20 अंक गिरकर 24,480.50 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उछाल और एक दिन की राहत के कारण बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 पर और निफ्टी 285.40 अंक की तेजी के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को फिर से बाजार दबाव में आया। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और एफआईआई की बिकवाली ने सेंसेक्स 1,097 अंक गिराकर 78,918.90 पर और निफ्टी 315.45 अंक गिराकर 24,450.45 पर बंद कराया। इस तरह सप्ताह के अंत तक निवेशकों में सतर्कता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति साफ तौर पर दिखाई दी।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के 'M' प्रोग्राम से जुड़ीं 30,000 से अधिक महिलाएं, डिजिटल बैंकिंग में आई तेजी

मुंबई ।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने विशेष महिला बैंकिंग कार्यक्रम 'रू' की शानदार सफलता की घोषणा की है। नवंबर 2025 में लॉन्च होने के बाद से इस कार्यक्रम ने मात्र चार महीनों में 30,000 से अधिक महिला ग्राहकों को अपने साथ जोड़ा है, जिसमें प्रति माह औसतन 7,500 महिलाएं शामिल हो रही हैं। बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस कार्यक्रम से जुड़ी 60 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल बैंकिंग का सक्रिय रूप से उपयोग कर रही हैं, जबकि 40 प्रतिशत महिलाएं नियमित रूप से यूपीआई के माध्यम से डिजिटल लेनदेन कर रही हैं। विशेष रूप से जयपुर, सूरत, अहमदाबाद, जोधपुर और हरियाणा के प्रमुख जिलों में इस कार्यक्रम के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बैंक द्वारा व्हील्स लोन और माइक्रोबिज़नेस लोन पर 0.2 प्रतिशत की विशेष रियायती ब्याज दर प्रदान की जा रही है। बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम तिब्रेवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम गृहणियों और स्वरोजगार वाली महिलाओं को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़कर उन्हें वास्तविक वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान कर रहा है।

ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी भारतीय महिलाओं के बढ़ते डिजिटल आत्मविश्वास और उद्यमशीलता की सराहना की है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ने सौंदर्य, फैशन और वेलनेस श्रेणियों में विशेष लाइफस्टाइल ऑफर्स भी पेश किए हैं जो 31 मार्च 2026 तक मान्य रहेंगे।

टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र में गैस संकट, 50 फीसदी गिर सकता है उत्पादन

- कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लगभग 45 फीसदी रखती है हिस्सेदारी

अहमदाबाद । पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष का प्रत्यक्ष असर अब भारतीय ऑटो उद्योग पर दिखने लगा है। प्राकृतिक गैस और प्रोपेन की कमी के कारण टाटा मोटर्स को गुजरात के साणंद स्थित अपने संयंत्रों में उत्पादन में 50 फीसदी तक की कटौती करनी पड़ सकती है। गुजरात गैस लिमिटेड ने पुष्टि की कि देश के प्रमुख गैस आपूर्तिकर्ताओं ने उद्योगों को गैस की आपूर्ति आधी कर दी है। साणंद प्लांट में गैस का इस्तेमाल मुख्य रूप से पेंट-शॉप ओवन को गर्म करने और पेंट को सुखाने (क्युरिंग) के लिए किया जाता है। बिना पेंट किए वाहन स्टॉक में नहीं रखे जा सकते, इसलिए उत्पादन लाइन को रोकना ही एकमात्र विकल्प बचता है। साणंद में टाटा मोटर्स के दो संयंत्र हैं, जिनकी सालाना क्षमता 4,50,000 से अधिक कारों की है। यहां नेक्सॉन, टियागो, टिगोर, सिएरा, कर्व और इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन होता है। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लगभग 45 फीसदी हिस्सेदारी रखती है। हालांकि कारों की मांग बढ़ी हुई है। फरवरी में बिक्री में 35 फीसदी वार्षिक वृद्धि और निर्यात में 167 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। लेकिन गैस संकट से उत्पादन बाधित होने से मांग और सप्लाई में असंतुलन हो सकता है।

रूस ने भारत भेजे जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़े गोपनीय रखने का फैसला किया

- रूस भारत को एक सप्ताह में भेज सकता है लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल

नई दिल्ली ।

रूस ने भारत को निर्यात किए जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़ों को सार्वजनिक न करने का निर्णय लिया है। क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए यह कदम रूस के हित में जरूरी है। उनका कहना है कि कई देश और समूह रूस के ऊर्जा व्यापार पर नजर रखे हुए हैं और उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा है और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने की बात कही थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भारत को होने वाली रूसी तेल आपूर्ति को लेकर कई रिपोर्टें सामने आईं। इनमें दावा किया गया कि रूस भारत को एक सप्ताह में लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल भेज सकता है, हालांकि रूस ने इसे औपचारिक रूप से पुष्टि नहीं की। रूसी सरकारी मीडिया में जारी मानचित्र ने भी ध्यान खींचा, जिसमें अरब सागर से बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ते तेल टैंकर दिखाए गए हैं, जो भारत के पूर्वी तट की रिफाइनरियों की ओर जा रहे हैं। रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने संकेत दिया कि भारत और चीन जैसे बड़े ग्राहकों को तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए रूस तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस एशियाई देशों के साथ अपने ऊर्जा व्यापार को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ने के कारण भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग आने वाले समय में और गहरा हो सकता है।

भारत में महिलाओं की भर्ती में 19 फीसदी की सालाना वृद्धि

उच्च मूल्य वाली नौकरियों और विविध अवसरों तक महिलाओं की पहुंच बढ़ रही है

मुंबई ।

नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिलाओं की भर्ती विज्ञापनों में सालाना 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि केवल प्रवेश स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि वरिष्ठ पदों, उच्च वेतन वाले वर्गों और उभरती प्रौद्योगिकी भूमिकाओं तक फैल गई है। फाउंडइट की भारतीय श्रमबल में महिलाओं पर केंद्रित रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2025 से फरवरी 2026 के बीच यह रुझान देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में महिलाओं की भर्ती में सकारात्मक गति देखी जा रही है। अभी भी अधिकांश नौकरियां 10 लाख रुपये वार्षिक से कम वेतन वर्ग में हैं, लेकिन उच्च मूल्य वाली नौकरियों और विविध अवसरों तक महिलाओं की पहुंच बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में महिलाओं के अवसर बढ़कर 44 फीसदी हो गए हैं, जबकि महानगरों में हिस्सेदारी घटकर 56 फीसदी रह गई। तेजी से उभरते रोजगार केंद्रों में जयपुर, कोयंबटूर, इंदौर और कोच्चि शामिल हैं। महिलाओं की हिस्सेदारी कार्यक्षेत्रों में अलग-अलग है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में यह 34 फीसदी तक पहुंच गई, विशेषकर डेटा और एनालिटिक्स नौकरियों में। बिक्री और व्यवसाय विकास, साथ ही विपणन और संचार में हिस्सेदारी 16 फीसदी रही। वहीं ग्राहक सेवा/बीपीओ में हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी और मानव संसाधन में 20 फीसदी रही।

अमेरिका ने भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल की खरीद व उसके शोधन की अनुमति दी

- अल्पकालिक उपाय से तेल की कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास

वाशिंगटन।

अमेरिकी प्रशासन ने घोषणा की कि वह भारत को दक्षिण एशिया के समुद्री क्षेत्रों में फंसे रूसी तेल को खरीदने, उसका शोधन करने और बाजार में जल्दी बेचने की अनुमति दे रहा है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह कदम वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित करने और आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में दक्षिण एशिया के आसपास काफी मात्रा में रूसी तेल समुद्र में फंसा हुआ है, खासकर चीन के पास। क्रिस राइट ने कहा कि चीन अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुकूल व्यवहार नहीं कर रहा, जिससे कई बैरल लंबे समय तक वहीं रुके हुए हैं। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य से आने वाली आपूर्ति में थोड़ी बाधा के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका ने भारत से कहा कि वह इस तेल को खरीदकर अपनी रिफाइनरी में लाए। इससे न केवल भारतीय रिफाइनरी में तुरंत तेल पहुंचेगा, बल्कि दुनिया के अन्य रिफाइनरी कंपनियों पर तेल की कमी का दबाव भी कम होगा। राइट ने कहा कि यह केवल अल्पकालिक उपाय है और लंबी अवधि के लिए तेल की आपूर्ति पर्याप्त है। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कदम तेल की कीमतें कम बनी रहें सुनिश्चित करने और वैश्विक आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने का व्यावहारिक तरीका है। भारत द्वारा यह तेल शोधन कर बाजार में लाने से न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों पर स्थिरता भी आएगी।

भारत में पेट्रोल-डीजल के पर्याप्त भंडार : इंडियन आयल

- कंपनी ने जनता से अपील की, पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं

नई दिल्ली ।

हाल ही में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें फैल गईं। सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होने लगीं और लोग पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ने लगे। ऐसे माहौल में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने स्पष्ट किया कि ये खबरें पूरी तरह निराधार हैं। इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति नेटवर्क सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। कंपनी ने जनता से अपील की कि पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करें। इसी क्रम में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भी कहा कि कुछ क्षेत्रों में फैल रही ईंधन कमी की खबरें भ्रामक हैं। पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की सामान्य आपूर्ति बनी हुई है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 मार्च को जारी आदेश में कहा कि रिफाइनरियों द्वारा उत्पादन के दौरान निकलने वाली प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का अधिकतम उपयोग एलपीजी उत्पादन में किया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम (1955) के तहत जारी आदेश में कहा गया है कि रिफाइनरियों को एलपीजी को केवल आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को ही उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्माण में नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य घरेलू गैस की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में भारत-न्यूजीलैंड की टक्कर, इतिहास रचने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में दोनों टीमें खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए यह मैच कई मायनों में ऐतिहासिक हो सकता है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया के पास लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने और नया रिकॉर्ड बनाने का शानदार मौका है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम पहली बार इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को अपने नाम करने की कोशिश करेगी।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में नजर आया है। टीम ने लीग स्टेज से लेकर सेमीफाइनल तक लगातार दमदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था और आखिरी ओवर तक मैच का नतीजा तय नहीं हो पाया था। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई और फाइनल का टिकट हासिल किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने भी टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाया है। कीवी टीम ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। उस मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी में टीम आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है और पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने का सपना साकार करने के करीब है। भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन का प्रदर्शन बेहद अहम रहा है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रनों की शानदार पारी खेली थी। इन पारियों ने भारत की फाइनल तक की राह आसान बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

हालांकि फाइनल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती होगी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड को जीत मिली है। ऐसे में भारतीय टीम के पास इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारने का भी सुनहरा मौका होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे किया जाएगा। मैच से पहले शाम 5:30 बजे एक भव्य प्री-शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार रिकी मार्टिन के साथ भारतीय गायक सुखबीर और फाल्गुनी पाठक अपनी प्रस्तुति देंगे। क्रिकेट प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह फाइनल मुकाबला रोमांच और यादगार पलों से भरपूर होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान) अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज. रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैककॉन्ची।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहद खराब

टी20 विश्व कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। अब तक इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला 2021 में दुबई में खेला गया था। उस समय भारतीय टीम की कप्तानी विराट कोहली के हाथों में थी और उस मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया था। उस हार ने भारत के अभियान को भी प्रभावित किया था। हालांकि पिछले पांच सालों में दोनों टीमों में काफी बदलाव देखने को मिला है और अब कई नए खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन चुके हैं। 2021 के उस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में से केवल चार खिलाड़ी ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम में शामिल हैं। इनमें ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। बाकी खिलाड़ी या तो इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं या फिर टीम से बाहर हो गए हैं।

फाइनल से पहले न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने दी जसप्रीत बुमराह को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा है कि भारतीय तेज गेंदबाजी के स्टार जसप्रीत बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन उनका भी कभी-कभी प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। फिलिप्स ने यह बयान रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले दिया, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। फिलिप्स ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, बुमराह एक शानदार गेंदबाज हैं। उनके पास कई तरह के वैरिएशन हैं और वह डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। लेकिन वह भी इंसान हैं और कभी-कभी उनका दिन खराब हो सकता है। हमारी टीम यही उम्मीद रखती है कि फाइनल में कुछ मौके हमें मिलेंगे, जिनका हम पूरा फायदा उठाएंगे।

फिलिप्स ने इंग्लैंड के पिछले मुकाबले का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने अंतिम ओवरों में बुमराह के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और खुद को जीत का मौका बढ़ाया। फिलिप्स ने कहा, इंग्लैंड ने बुमराह के खिलाफ सही रणनीति अपनाई थी और आखिरी दो ओवरों में उनके ऊपर दबाव बनाया। हमें भी फाइनल में उनके किसी भी चूक का फायदा उठाना होगा। फिलिप्स ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों की संख्या भारत की तुलना में कम है, लेकिन टीम का हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम विशेष रूप से तैयार किया गया है ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन कर सके। उन्होंने अहमदाबाद की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की आबादी लगभग 9.3 मिलियन है, जबकि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 5.36 मिलियन है, जो टीम के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है।

बाबर बांग्लादेश दौरे के लिए शामिल नहीं किये गये

लाहौर (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज पाकिस्तान टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम पर गिरी है। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश में होने वाली एकदिवसीय सीरी के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप में बाबर सहित पाक टीम का प्रदर्शन खराब रहा है। इस टूर्नामेंट में बाबर ने पूरे टूर्नामेंट के 6 मैचों में केवल 91 रन ही बनाए। इस सीरीज के लिए तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाया गया है। शाहीन का भी प्रदर्शन हालांकि टी20 विश्व कप में अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 5 मैचों की 5 पारियों में 8 विकेट लिए। जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर चार विकेट रहा है। ये सीरीज 11 से 15 मार्च के बीच खेली जाएघी। तीनों ही मुकाबले ढाका के शेरे बंग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 11 मार्च को दूसरा एकदिवसीय 13 मार्च, तीसरा और अंतिम मैच 15 मार्च को खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले सैंटनर का बड़ा बयान, बोले - भारत पर होगा घरेलू दबाव

अहमदाबाद (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टी20 के फाइनल से पहले बड़ा बयान देते हुए कहा है कि मेजबान होने के कारण भारत पर खिताब जीतने का अतिरिक्त दबाव रहेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह खिताबी मुकाबला रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैंटनर ने कहा कि घरेलू मैदान पर खेलने के कारण भारतीय टीम को दर्शकों की बड़ी उम्मीदों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य मैच के दौरान भीड़ को शांत करना होगा। सैंटनर के मुताबिक भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन मेजबान होने के कारण उन पर दबाव भी ज्यादा रहेगा।

न्यूजीलैंड कप्तान ने कहा कि उनकी टीम इस बड़े मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित है और खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि टीम पहले भी भारत के खिलाफ खेल चुकी है, इसलिए किसी खास रहस्य की बात नहीं है। उनके अनुसार फाइनल एक मैच का मुकाबला होता है और उस दिन जो टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी वही जीत दर्ज करेगी। पिच को लेकर सैंटनर ने कहा कि उन्होंने अभी तक मैदान की सतह नहीं देखी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अहमदाबाद में हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है, क्योंकि यह मैदान बल्लेबाजों के लिए मददगार माना जाता है।

सैंटनर ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं और उनकी यॉर्कर तथा बाउंसर किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौती बन सकती है। बुमराह ने टूर्नामेंट में अब तक 10 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी खतरनाक गेंदबाज बताया और कहा कि वह इस प्रतियोगिता में बेहतरीन फॉर्म में हैं। वरुण अब तक 13 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं। सैंटनर ने यह भी कहा कि उनकी टीम पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है और फाइनल में भी वही लय बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर मौका मिला तो न्यूजीलैंड भारत को हराकर ट्रॉफी जीतने से पीछे नहीं हटेगी, भले ही इससे भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट जाए।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज 4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा।

रवि शास्त्री बोले- फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शॉट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शॉट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए।

हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भारत की नजरें विश्व कप टिकट पर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला राष्ट्रीय फील्ड हॉकी टीम रविवार से हैदराबाद, तेलंगाना में शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में मजबूत प्रदर्शन करते हुए महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में अपनी जगह पक्की करने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया की टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुल आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है, जहां ग्रुप ए में इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स की टीमें हैं। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इसके बाद विजेता टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी, जबकि हारने वाली टीमों के बीच कांस्य पदक के लिए मुकाबला होगा। इस प्रतियोगिता में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाली टीमों को सीधे 2026 के महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन मिल जाएगा। इसके अलावा चौथे स्थान पर रहने वाली टीम में से यदि वह विश्व रैंकिंग में सबसे ऊंचे स्थान पर है तो उसे भी विश्व कप में प्रवेश मिल सकता है। आने वाले विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें से प्रत्येक वर्ग में नौ टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं।

मेजबान होने के कारण भारतीय टीम को घरेलू मैदान और दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे टीम का मनोबल और मजबूत होगा। भारतीय टीम हाल ही में नियुक्त मुख्य कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में इस टूर्नामेंट में उतर रही है और टीम का लक्ष्य लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व कप में जगह सुनिश्चित करना है। वर्तमान में भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और इंग्लैंड के बाद इस टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ऊंची रैंक वाली टीम मानी जा रही है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ मैच से करेगा। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। इन शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह आसान कर सकता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम अब तक विश्व कप के आठ संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में रहा था, जब भारतीय टीम चौथे स्थान पर पहुंचने में सफल रही थी। टूर्नामेंट से पहले भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि घरेलू मैदान पर क्वालिफायर खेलना टीम के लिए बेहद खास अवसर है। उन्होंने बताया कि टीम इस प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और सभी खिलाड़ी एक-एक मैच पर ध्यान देते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, ताकि भारत विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित कर सके।

रोनाल्डो की चोट गंभीर, पुर्तगाल की तरफ से खेलना संदिग्ध

रियाद। अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नासर की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।'' पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा। उन्होंने अल नासर की तरफ से इस सत्र में 22 लीग मैच में 21 गोल किए हैं।

सैम करन के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया श्रीकांत ने की कड़ी टिप्पणी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने 253 रन बनाकर इंग्लैंड को मात्र सात रन से मात दी और फाइनल में प्रवेश किया। इस रोमांचक मुकाबले के बाद पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। इस मैच में भारत ने 20 ओवर में 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाया। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने रन रोकने के लिए संघर्ष किया और खासकर सैम करन का चार ओवर का स्पेल काफी महंगा रहा, जिसमें उन्होंने 53 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया। पूर्व भारतीय ओपनर क्रिस श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर करन की कड़ी आलोचना की। उनका कहना है कि करन ने मैच के अहम समय में बहुत ज्यादा गेंदें खेलीं और इंग्लैंड की रन गति धीमी कर दी। इसके कारण जैकब बेथेल पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। श्रीकांत ने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाज को तेज स्ट्राइक रेट और बड़े शॉट खेलने की जरूरत होती है, लेकिन करन इसमें नाकाम रहे और उनकी पारी मैच के हिसाब से प्रभावी नहीं रही। इंग्लैंड की ओर से सबसे आकर्षक प्रदर्शन जैकब बेथेल का रहा। उन्होंने सिर्फ 48 गेंदों में 105 रन बनाए और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों के कमजोर प्रदर्शन ने टीम को जीत से दूर रखा। सैम करन ने 14 गेंदों पर केवल 18 रन बनाए। इसके अलावा श्रीकांत ने जोस बटलर और फिल सॉल्ट के प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। बटलर ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाए और पूरे टूर्नामेंट में आठ पारियों में केवल 87 रन ही जुटाए। फिल सॉल्ट भी निर्णायक मौके पर प्रभावी नहीं रहे। इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 246/7 पर रोकते हुए जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड के लिए यह हार निराशाजनक रही, खासकर जब जैकब बेथेल ने शतक लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया था।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

मुंबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रुक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरें है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे। ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रुक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी पर सेमीफाइनल में 7 रनों से हार गयी।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

- वर्ल्ड नंबर 6 को हराकर रचा इतिहास, बर्मिंघम में अकेले भारतीय खिलाड़ी के रूप में लक्ष्य की स्वर्णिम दौड़

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन के युवा स्टार लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार रात खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और पूर्व चैंपियन चीन के ली शि फेंग को सीधे गेमों में 21-13, 21-16 से शिकस्त दी। ठीक एक घंटे चले इस कड़े मुकाबले में लक्ष्य ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और लंबी रैलियों के बीच धैर्य बनाए रखा। इस जीत के साथ ही लक्ष्य अब प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड खिताब जीतने से महज दो कदम दूर रह गए हैं।

2022 के फाइनलिस्ट रहे 24 वर्षीय लक्ष्य सेन इस टूर्नामेंट में बचे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उनके अन्य साथी खिलाड़ी पहले ही राउंड में बाहर हो गए थे, जबकि स्टार शटल पैल पीवी सिंधु मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण बर्मिंघम नहीं पहुंच सकीं। लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत डिफेंडिंग चैंपियन शि यू की को हराकर की थी, जिससे उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। ली शि फेंग के खिलाफ मिली इस जीत ने उनके 'हेड टू हेड' रिकॉर्ड को भी बेहतर कर दिया है। अब सेमीफाइनल में लक्ष्य का मुकाबला कनाडा के विक्टर लाई से होगा, जिन्होंने जापानी खिलाड़ी को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

मैच के बाद लक्ष्य सेन ने बताया कि लंबी रैलियों के कारण दोनों खिलाड़ी शारीरिक रूप से थक रहे थे, लेकिन कोच की सलाह पर उन्होंने अपनी गलतियों को कम किया और जीत पक्की की। लक्ष्य ने फिलहाल खिताब के बारे में सोचने के बजाय अपना पूरा ध्यान रिकवरी पर केंद्रित करने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एक समय में एक ही मैच पर ध्यान देना है। भारतीय खेल प्रेमी अब रविवार को होने वाले संभावित फाइनल की उम्मीद लगाए बैठे हैं, जहाँ लक्ष्य भारत के लिए वर्षों पुराना सूखा खत्म कर इतिहास रच सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ईरान का इजराइल-अमेरिका समेत अबतक 12 देशों पर हमला

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज सातवां दिन है। ईरान ने अब तक अमेरिका और इजराइल समेत 12 देशों पर हमला किया है। इन देशों में यूएई, कतर, बहरीन, जॉर्डन, इराक, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब, साइप्रस, सीरिया और अजरबैजान शामिल हैं। अमेरिकी सेना ने बताया कि जंग में अब तक ईरान के 30 से ज्यादा जहाज डुबो दिए गए हैं। इनमें एक ऐसा जहाज भी शामिल है जिसे ड्रोन लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी कहा है कि उनकी सेना ईरान के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने जा रही है। अमेरिका के पास हथियार और गोला-बारूद की कोई कमी नहीं है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी हमले नहीं करेगा, क्योंकि ये समय की बर्बादी होगी। ईरान ने इजराइल पर क्लस्टर बम गिराए ईरान ने गुरुवार रात इजराइल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन मिसाइलों में क्लस्टर बम लगे थे। इजराइली सेना ने बताया कि जब ऐसी मिसाइल जमीन की ओर आती है तो उसका वारहेड हवा में ही खुल जाता है और करीब 20 छोटे बम अलग-अलग जगहों पर गिर जाते हैं। हर बम में लगभग 2.5 किलो विस्फोटक होता है और ये करीब 8 किलोमीटर के इलाके में फैल सकते हैं। ये छोटे बम सीधे जमीन पर गिरते हैं और टकराते ही फट जाते हैं। इससे एक बड़े इलाके को खतरा हो सकता है, हालांकि हर छोटे बम का धमाका सामान्य बैलिस्टिक मिसाइल जितना ताकतवर नहीं होता। यह साफ नहीं है कि ईरान ने ऐसी कुल कितनी मिसाइलें चलाई हैं, क्योंकि कई मिसाइलों को इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने रास्ते में ही गिरा दिया। वहीं ईरान ने गुरुवार को बहरीन की सरकारी तेल रिफाइनरी BAPCO पर मिसाइल से हमला किया। इससे रिफाइनरी की एक यूनिट में आग लग गई। हालांकि बाद में आग काबू कर ली गई।

भारत-कनाडा के बीच यूरेनियम समझौते से पाकिस्तान बौखलाया

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग और यूरेनियम आपूर्ति के दीर्घकालिक समझौते से पाकिस्तान असहज हो गया है। हाल में कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा (27 फरवरी-2 मार्च) के दौरान दोनों देशों ने परमाणु ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर अहम करार किए थे, जिसे पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया के रणनीतिक संतुलन के लिए खतरा बताया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि भारत व कनाडा के बीच यूरेनियम आपूर्ति और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर हुआ यह समझौता चिंता का विषय है। इससे भारत को घरेलू परमाणु भंडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए करने की छूट मिल जाएगी। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि यह समझौता अंतरराष्ट्रीय परमाणु अप्रसार नियमों के खिलाफ है। इससे भारत के परमाणु हथियारों के भंडार में विस्तार होगा। वहीं, कूटनीतिक जानकारों का कहना है कि भारत का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों व ऊर्जा सुरक्षा के लिए है। भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया है, यही कारण है कि कनाडा जैसे देश भारत के साथ नागरिक परमाणु सहयोग बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान ने इस वैश्विक साझेदारी को भेदभावपूर्ण करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समान मानदंडों की मांग की है।

ट्रम्प बोले- ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुने :सिलेक्शन में अमेरिका का रोल जरूरी ; खामेनेई का बेटा मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर

नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके।

पश्चिम एशिया युद्धः बढ़ते हमलों के बीच देवदूत बनीं भारतीय नर्सें

कुवैत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ज्यादातर देशों में संघर्ष का साया छाया हुआ लेकिन ऐसे समय में भी भारतीय नर्सों की सेवा और समर्पण में कोई कमी नहीं आई है। इनका काम राजनीतिक या सैन्य तनाव के बावजूद हमेशा की तरह बदस्तूर जारी है। 1990 के दशक का कुवैत युद्ध हो, 2003 का इराक युद्ध, सीरिया या मिस्र के गृह युद्ध या पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संघर्ष, भारतीय नर्सें हमेशा देवदूत बनकर अपना कर्तव्य निभाती रही हैं।

इसकी मिसाल कुवैत शहर से करीब 32 किलोमीटर पश्चिम में इराक सीमा के पास भट्टी की तरह तप रहे अल जाहरा में दिख जाता है। इस जगह को धरती पर सबसे गर्म जगहों में एक माना जाता है और यहां का तापमान 53 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। केरल की एक नर्स जैसमीन थॉमस (बदला हुआ नाम) अपने भारतीय साथियों के साथ अल जाहरा के एक छोटे से क्लिनिक में आम दिनों की तरह काम कर रही थी। कुछ ही घंटों बाद क्लिनिक के ऊपर आसमान में मिसाइलें और ड्रोन उड़ते नजर आने लगे। देखते-देखते रुक-रुक कर धमाके होने लगे।

भारतीय नर्सो के साहस की कहानी : धमाकों की तीव्रता बढ़ने पर जैसमीन और उनके साथी भागकर अपने हॉस्टल में शरण लेते हैं। हॉस्टल में

संघर्ष के साये में निभा रहीं अपना कर्तव्य

वे सब हालात के सामान्य होने का इंतजार करते रहे। कर्तव्य और अपनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की मशक्कत करते हुए जैसमीन और उनके साथी सोमवार को फिर से अपने काम पर लौट आएं लेकिन इस बार क्लिनिक में वे सब थे लेकिन मरीज नहीं। यह घटना भारतीय नर्सों के साहस, धैर्य और जिम्मेदारी को दिखाता है। ये ऐसी विशेषता है जो इस क्षेत्र में काम करने वाली भारतीय नर्सों को अन्य लोगों से अलग पहचान दिलाती है।

हम सुरक्षित हैं : जैसमीन और ईरान में फंसी केरल की एक नर्स के अलावा ज्यादातर नर्सो ने कहा कि हम सुरक्षित हैं। संयुक्त अरब अमीरात में कार्यरत एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि हमें बीच-बीच में चेतावनी सायरन सुनाई देते हैं लेकिन इसके अलावा अभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ है। अस्पताल सामान्य तरीके से काम कर रहे हैं। सरकार हमलों को रोक रही है। कुवैत में कार्यरत एक नर्स ने भी यही बात कही और कहा कि अभी भारतीय प्रवासियों के लिए चिंता की कोई वजह नहीं है। कई लोगों के लिए, मैसेज एक जैसा है। सऊदी अरब में कार्यरत एक अन्य नर्स ने कहा कि हम पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मीडिया के कुछ हिस्सों में जैसा दिखाया जा रहा है, उसके उलट। ड्रोन हमले हो रहे हैं, लेकिन देश अपना बचाव कर रहा है और हमारी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है।

4 लाख से 5 लाख भारतीय नर्सें कार्यरत : एक अनुमान के मुताबिक, इस इलाके में 4,00,000 से 5,00,000 भारतीय नर्सें काम कर रही हैं। गैर-निवासी केरलवासियों की शिकायतों के समाधान के लिए राज्य की नोडल एजेंसी एनओआरकेए रूट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजीत कोलासेरी ने बताया कि सरकार को राज्य की एक नर्स के जंग प्रभावित ईरान में फंसे होने की सूचना मिली थी। हमें नहीं पता था कि मलयाली नर्सें भी वहां काम कर रही हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाली नर्सिंग समुदाय के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। हमें वीजा और दस्तावेज से जुड़े नियमित सवाल मिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन एवं विकास संस्थान (आईआईएमएडी) के अध्यक्ष एस इरुदया राजन के अनुसार, केरल प्रवासन सर्वेक्षण 2023 के आधार पर अनुमान है कि पश्चिम एशिया में लगभग 20 लाख केरलवासी कार्यरत हैं।

ऑस्ट्रेलिया में उष्णकटिबंधीय तूफान से खतरनाक बाढ़ की चेतावनी

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में मौसम विभाग की ओर से खतरनाक बाढ़ आने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। एक ट्रॉपिकल लो स्टॉर्म सिस्टम राज्य के उत्तर-पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विज्ञान ब्यूरो ने चेतावनी में कहा कि उष्णकटिबंधीय कम दबाव वाली प्रणाली शुक्रवार सुबह से क्वींसलैंड के उष्णकटिबंधीय दूर उत्तर में तट के 350 किमी के क्षेत्र में भारी बारिश होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, 'स्थानीय रूप से तीव्र बारिश होने की संभावना है, जो खतरनाक और जानलेवा बाढ़ का कारण बन सकती है।' चेतावनी वाले क्षेत्र में केर्न्स, पोर्ट डगलस और कुकटाउन जैसे उत्तर-पूर्वी तटीय शहर शामिल हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 2,55,000 है।

मौसम विज्ञान ब्यूरो ने कहा कि पूर्वानुमान के अनुसार इस क्षेत्र में छह घंटे में 240 मिलीमीटर तक बारिश और 24 घंटे में 300 मिमी तक बारिश होने की संभावना है। पूर्व में मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि यह उष्णकटिबंधीय कम दबाव वाला क्षेत्र तट के पास पहुँचते समय 45 प्रतिशत संभावना के साथ उष्णकटिबंधीय चक्रवात में बदल सकता है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक शुक्रवार सुबह तक इसे मात्र 5 प्रतिशत संभावना माना गया है। तूफान कार्डवेल कस्बे के पास शुरू होगा लेकिन सबसे भारी बारिश केर्न्स, पोर्ट डगलस और कुकटाउन के नजदीक उत्तर की ओर होगी। इसके पहले, 2 मार्च को, विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स के दक्षिण-पूर्वी राज्यों में जानलेवा बाढ़ के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की गई थी। मौसम विज्ञान ब्यूरो ने केंद्रीय व उत्तरी विक्टोरिया और दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम में भारी और स्थानीय रूप से तीव्र बारिश के लिए गंभीर मौसम चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि सोमवार को चेतावनी क्षेत्र में छह घंटे में 100 मिमी तक बारिश होने की संभावना है, जो केंद्रीय विक्टोरिया के सिमर शहर से दूर ब्रोकन हिल तक फैले 650 किमी क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। विक्टोरिया और एनएसडब्ल्यू के राज्य आपातकालीन सेवा शाखाओं ने लोगों को बाढ़ के पानी में ड्राइविंग न करने और जलमार्गों से दूर रहने की सलाह दी थी।

लंबे युद्ध के लिए ईरान तैयारः आईआरजीसी ने दी अमेरिका-इस्राइल को नए हथियारों की चेतावनी, कहा-मिलेगी दर्दनाक चोट

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल की ईरान के साथ जंग का आज सातवां दिन है। इस बीच गुरुवार रात को ईरान ने इस्राइल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी, जिसमें क्लस्टर बम लगे थे। इस बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह एक 'लंबी लड़ाई' के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही ऐसे उन्नत हथियार पेश करने वाला है, जिनका अभी तक जंग में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं किया गया है। नई लहर में 'दर्दनाक प्रहार' की चेतावनी आईआरजीसी के ब्रिगेडियर जनरल अली मोहम्मद नैनी ने एक बयान में कहा कि ईरान के दुश्मनों को 'आने वाली हमलों की नई लहर में दर्दनाक प्रहारों' के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'ईरान की नई पहलें और हथियार रास्ते में हैं।' यह बयान ईरान की सैन्य तैयारी और भविष्य की रणनीतियों को दर्शा रहा है। प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि ये नई टेक्नोलॉजी अभी तक बड़े पैमाने पर तैनात नहीं की गई हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि ईरान के पास ऐसे सैन्य संसाधन हैं, जिनका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। ऐसे में अब ईरान उनका इस्तेमाल संघर्ष में एक नया मोड़ लाने के लिए कर सकता है। नैनी ने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिका और इस्राइल द्वारा शुरू किए गए 12-दिवसीय युद्ध की तुलना में अब अधिक तैयार है। उन्होंने वर्तमान सैन्य टकराव को 'पवित्र और वैध युद्ध' बताया, जो ईरान के अपने बचाव के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

ईरान से लड़ने में हमसे मदद मांग रहा अमेरिका:जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका और पश्चिम एशिया में उसके सहयोगी ईरान के शाहेद ड्रोन का मुकाबला करने में यूक्रेन की मदद चाहते हैं। जेलेंस्की ने बुधवार देर रात कहा कि अमेरिका समेत कई देशों ने ईरानी ड्रोन हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन से मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के नेताओं से संभावित सहयोग के बारे में बात की है।

रख दी एक शर्त : रूस ने लगभग चार साल पहले अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला करने के बाद से उस पर हजारों शाहेद ड्रोन दागे हैं। ईरान ने भी अमेरिकी-इजरायली संयुक्त हमलों के जवाब में इसी प्रकार के ड्रोन दागे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ईरान के ड्रोन हमलों का मुकाबला

करने में यूक्रेन की सहायता तभी प्रदान की जाएगी जब इससे यूक्रेन की अपनी सुरक्षा कमजोर न हो और इससे रूसी आक्रमण को रोकने के लिए कीव के राजनयिक प्रयासों को बल मिले।

ताना कसा : उन्होंने कहा, 'हम उन लोगों को युद्ध से बचाने में मदद करते हैं जो हमारी मदद करते हैं, यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध का न्यायपूर्ण अंत करने में मदद करते हैं।' जेलेंस्की ने कहा कि ईरान युद्ध ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय ध्यान हटा दिया है और इस सप्ताह रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली वार्ता के एक नए दौर को स्थगित करना पड़ा।

पश्चिमी देशों की सरकारों और विश्लेषकों का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में लाखों लोग मारे गए हैं जबकि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि अमेरिका के नेतृत्व में वर्षों से जारी शांति प्रयासों से लड़ाई जल्द ही रुक जाएगी। जेलेंस्की ने कहा, 'ईरान के आसपास की स्थिति के कारण फिलहाल त्रिपक्षीय बैठक के लिए आवश्यक संकेत नहीं मिले हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन समग्र सुरक्षा ठीक होने पर हम त्रिपक्षीय राजनयिक बैठक फिर से शुरू करेंगे।'

अमेरिका से नाराज खाड़ी देश : पीटीआई भाषा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि फारस की खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी इस बात से नाखुश हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने से पहले उन्हें सूचित नहीं किया। साथ ही उन्हें ईरान के जवाबी हमलों का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त समय और मदद नहीं दी गई। अमेरिका और इजराइल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए हमलों के बाद ईरान ने कई खाड़ी देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं।

इस्राइली रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा- तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई के खात्मे का प्लान

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला पिछले साल नवंबर में ही ले लिया था। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन को मूल रूप से लगभग छह महीने बाद यानी 2026 के मध्य तक पूरा करने की योजना थी।

उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक में लिया फैसला : रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने गुरुवार को बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चैनल एन12 को बताया, 'नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था।'

ईरान की घरेलू अशांति के बाद बढ़ाई समय सीमा : रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय-सीमा को बढ़ाया गया। इस्राइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इस्राइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इस्राइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है।

'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' का हिस्सा : खामेनेई की हत्या शनिवार को शुरू हुए 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' के शुरुआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इस्राइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले 'अस्तित्वगत खतरे' को खत्म करना और 'शासन परिवर्तन' को सुविधाजनक बनाना है। इस बड़े हमले के बाद इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपने हवाई अभियान को और तेज कर दिया है। गुरुवार को द्बष्टस्न ने घोषणा की कि उन्होंने तेहरान में 12वीं लहर के हमले पूरे कर लिए हैं, जिसमें ईरान की प्रमुख सुरक्षा और सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। अलबरज प्रांत में विशेष इकाई का मुख्यालय निशाना उच्च-प्राथमिकता वाले लक्ष्यों में अलबरज प्रांत में एक विशेष इकाई का मुख्यालय शामिल था, जो सभी आंतरिक सुरक्षा बलों के लिए जिम्मेदार है। इस्राइल वायु सेना ने कहा, 'आईडीएफ ने तेहरान में हमलों की 12वीं लहर पूरी की 'अलबरज' प्रांत में ईरानी आतंकवादी शासन की विशेष इकाई का मुख्यालय, साथ ही बासिज बल के ठिकानों और आंतरिक सुरक्षा पर हमला किया गया।' आईडीएफ ने एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में पुष्टि की है कि अलबरज मुख्यालय क्षेत्र की सभी विशेष इकाइयों को कमांड करता है और शासन के सशस्त्र बलों को निर्देशित करने का काम करता है।

ईरान ने अभी तक नये सर्वोच्च नेता का चुनाव नहीं किया हैः हकीम इलाही

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के उत्तराधिकारी का चुनाव अभी तक नहीं किया है. खामेनेई की पिछले सप्ताह अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी. भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि, अयातुल्ला डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि नये नेता के चुनाव की प्रक्रिया अभी भी जारी है. जब उनसे मीडिया की उन खबरों के बारे में पूछा गया जिनमें दावा किया गया है कि अयातुल्ला खामेनेई के बेटे, मोजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी चुना गया है, तो हकीम इलाही ने कहा, 'यह खबर सच नहीं है क्योंकि अभी तक उसने (परिषद ने) किसी को भी चुना या नामांकित नहीं किया है और प्रक्रिया अभी जारी है.' उन्होंने कहा, 'इस पद के लिए कई उम्मीदवार हैं और अयातुल्ला मोजतबा उनमें से एक हैं। इसका कारण यह नहीं है कि वह अयातुल्ला खामेनेई के पुत्र हैं. दरअसल, उनकी योग्यताओं के कारण उन्हें चुनने पर विचार किया जा सकता है. लेकिन अभी यह अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और इस पद के लिए योग्य व्यक्ति का चयन करने के लिए अभी भी चर्चा जारी है.' ईरान के सर्वोच्च नेता के चुनाव की प्रक्रिया को समझाते हुए हकीम इलाही ने कहा कि ईरान में चुनाव के दौरान 88 सदस्यीय विशेषज्ञ परिषद का चुनाव मतदान द्वारा किया जाता है. उन्होंने कहा, 'इस परिषद की जिम्मेदारियों में से एक सर्वोच्च नेता का चयन करना है। अब उन्होंने इस पद के लिए एक योग्य व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए वार्ता शुरू कर दी है.' हकीम इलाही ने कहा, 'उन्होंने (परिषद के सदस्यों ने) काफी चर्चा की, लेकिन स्थिति अच्छी नहीं है क्योंकि हम

अमेरिका और इजराइल के हमलों का सामना कर रहे हैं. इसलिए जब उन्हें अनुकूल माहौल मिलेगा और वे एकत्र होंगे, तो वे इस पद के लिए योग्य व्यक्ति का चयन करेंगे.' ईरान के सर्वोच्च नेता का नीतिगत मामलों में अंतिम निर्णय होता है। वह सशस्त्र बलों के 'कमांडर-इन-चीफ' भी होते हैं. जब हकीम इलाही से पूछा गया कि क्या इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज द्वारा नये सर्वोच्च नेता को निशाना बनाने की धमकी के मद्देनजर ईरान सार्वजनिक रूप से उनका नाम लेने का जोखिम उठाने को तैयार है, तो उन्होंने कहा, 'ईरान अपनी रक्षा करने के लिए तैयार है.' इजराइल और अमेरिका ने कोम शहर में हाल में विशेषज्ञों की सभा की इमारत को निशाना बनाकर हमले किये थे. स्थानीय मीडिया द्वारा प्रसारित टीवी फुटेज में हमलों में इमारत को बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाया गया. बाद में ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि इमारत का इस्तेमाल अब बैठकों के लिए नहीं किया जा रहा है. खामेनेई को याद करते हुए हकीम इलाही ने कहा, 'वह (खामेनेई) लोगों से भारत के बारे में अध्ययन करने के लिए कहते थे। 'यदि आप ईरान का इतिहास जानना चाहते हैं, तो आप भारत के इतिहास को समझे और उसका अध्ययन किए बिना इसे नहीं समझ सकते.' खामेनेई (86) वर्ष 1989 में ईरान के सर्वोच्च नेता बने थे।

अमेरिका और इजरायल के बाद अजरबैजान करेगा ईरान पर अटैक ! सेना को दिए ऑर्डर

बाकू, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहे ईरान की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। खबर है कि अब अजरबैजान ने ड्रोन हमले की बदला लेने की कसम खाई है। साथ ही मुल्क के राष्ट्रपति ने अटैक का जवाब देने के निर्देश अपनी सेना को दे दिए हैं। खबर है कि अजरबैजान ने ईरान से सफाई देने की भी मांग की है। ईरान ने कतर, कुवैत, सऊदी अरब समेत कई मुल्कों में हमले किए हैं।

भड़क गया अजरबैजान : राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने ईरान पर 'आतंकवाद और आक्रामकता का निराधार कृत्य' करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि उनकी सेना को जवाबी कार्रवाई की तैयारी और उसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने नखचिवान की ओर चार ड्रोन भेजे थे, जिनमें से एक को अजरबैजानी सेना ने निष्क्रिय कर दिया, जबकि अन्य ने नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाया, जिनमें एक स्कूल भी शामिल था जहां कक्षाएं चल रही थीं।

बड़ी बैठक हुई : रॉयटर्स के अनुसार, राष्ट्रपति अलीयेव ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, 'हम अजरबैजान के खिलाफ इस बगैर उकसावे के किए गए आतंकवादी कृत्य और आक्रमण को सहन नहीं करेंगे। हमारे सशस्त्र बलों से तैयारी करने और उचित जवाबी कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'हम किसी भी दुश्मन

ताकत के खिलाफ अपनी शक्ति दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्हें ईरान में ये नहीं भूलना चाहिए।

बातचीत की मांग : एक्सियोस से बातचीत में अजरबैजान के अमेरिका में राजदूत खजार इब्राहिम ने कहा कि उनका मुल्क उचित उपाय कर रहा है। जब पूछा गया कि क्या वह अगले हमले को लेकर चिंतित हैं। इसपर उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है।

उन्होंने कहा, 'इसके बजाय हम हिसाब लगा रहे हैं, तथ्य जुटा रहे हैं और हम फैसले ले रहे हैं। एजेंसी वार्ता के अनुसार, अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि ईरान की ओर से दागे गए कई ड्रोन उनके क्षेत्र में गिरे हैं। इनमें से एक ड्रोन ने हवाई अड्डे की टर्मिनल बिल्डिंग को क्षतिग्रस्त किया है, जबकि दूसरा एक स्कूल भवन के पास जाकर गिरा। मंत्रालय ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जतायी और साथ ही ईरान से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि इस तरह की घटना दोबारा न हो। साथ ही मंत्रालय ने अजरबैजान में ईरान के राजदूत को अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करने के लिए तलब किया। ईरान क्या बोला ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने अजरबैजान की ओर ड्रोन भेजने से इनकार किया है। ईरान ने बार-बार युद्ध में तेल और अन्य नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने से इनकार किया है, हालांकि उसके ड्रोन और मिसाइल हमलों ने इन स्थलों को निशाना बनाया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीकर में सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप, खाटूश्यामजी सहित कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

सीकर (एजेंसी)। (ईएमएस)। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र सीकर जिले में ही बताया गया है। झटके खाटूश्यामजी, रानोली, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित आसपास के कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। अचानक आए कंपन के कारण कई घरों में पंखे और बर्तन हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार झटके कुछ सेकंड तक ही महसूस हुए, लेकिन सुबह-सुबह भूकंप आने से लोग काफी घबरा गए और एहतियातन कुछ समय तक घरों के बाहर ही रहे। खाटूश्यामजी क्षेत्र में होटल और धर्मशालाओं में ठहरे श्रद्धालु भी झटके महसूस होने के बाद बाहर निकल आए। हालांकि प्रशासन और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं रही।

जींद की फैक्ट्री में भीषण अग्निकांड : 4 महिलाओं की जिंदा जलकर मौत, 20 मजदूर झुलसे

जींद (एजेंसी)। हरियाणा के जींद जिले के सफीदों इलाके में एक रंग-गुलाल बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। यह हादसा इतना भयानक था कि फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर बाहर से ताला लगा होने के कारण अंदर फंसे मजदूर बाहर नहीं निकल सके। परिणामस्वरूप चार महिला मजदूर जिंदा जलकर मर गईं, जबकि करीब 20 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए है। घटना भाट कॉलोनी स्थित फैक्ट्री में हुई, जहां होली के रंग और गुलाल का उत्पादन होता था। आग लगाने के दौरान फैक्ट्री में करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे। आग लगने की सूचना पाते ही लोग और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। बाहर से ताला लगा होने के कारण मजदूर अंदर फंस गए थे। लोगों ने दरवाजा तोड़कर कई मजदूरों को बाहर निकाला, लेकिन देरी होने से चार महिलाओं की मौत हो गई। दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। आग तेजी से फैल गई और पूरे परिसर में धुआं व लपटें उठने लगीं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायल मजदूरों को पहले सफीदों के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से कई गंभीर मरीजों को पानीपत के बेहतर अस्पताल रेफर किया गया। उनका इलाज जारी है। इलाके में मातम का माहौल है। मृतक महिलाओं के परिजन रो-रोकर बिलख रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि ताला लगे होने के कारण वे समय पर बाहर नहीं निकल सके, जिससे हादसा और भयानक हो गया। प्रशासन ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री मालिक से पूछताछ की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 10 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नेपाल, भारत और श्रीलंका से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने 77.60 किलोग्राम हैशिश ऑयल और 2 किलोग्राम चरस जब्त की है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एनसीबी के अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन में तस्करों द्वारा इस्तेमाल की गई दो कारें, एक मोटरसाइकिल और एक मछली पकड़ने वाली नाव भी जब्त की गई हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्कर समुद्री रास्तों और सीमावर्ती क्षेत्रों का इस्तेमाल करते हुए मादक पदार्थ भारत में लाते थे और फिर उन्हें विभिन्न राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाते थे। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक श्रीलंकाई शरणार्थी भी शामिल है, जिसे नेटवर्क की अहम कड़ी माना जा रहा है। एजेंसी उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह के अन्य सदस्य कौन-कौन हैं और यह नेटवर्क किन-किन देशों में फैला हुआ है। सूत्रों के अनुसार, गिरोह नेपाल और श्रीलंका के रास्ते मादक पदार्थ भारत में लाता था। एनसीबी को इस नेटवर्क की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की गई। एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन से अंतरराष्ट्रीय गिरोह सक्रिय हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि देश में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बादशाह के नए गाने पर विवाद, पुलिस और महिला आयोग ने उठाया कदम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणवी रैपर और सिंगर बादशाह के नए गाने 'टटीरी' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गाने में कथित अश्लील शब्दों और आपत्तिजनक दृश्यों का इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगे हैं। पंचकूला के एक व्यक्ति ने शिकायत की है कि वीडियो में 'पाठशाला' शब्द को बदलकर 'बादशाला' दिखाया गया और लड़कियों को स्कूल यूनिफॉर्म में डांस करते दिखाया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे स्कूल जैसी पवित्र जगह की छवि खराब होती है और बच्चों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने बादशाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इसमें इंडीसेंट रिप्रेजेंटेशन आफ वूमेन (प्रोहिविशन) एक्ट 1986 की धारा 3 और 4 तथा बीएनएस एक्ट की धारा 296 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई के बाद यूट्यूब ने भी विवादित गाने को अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया। हरियाणा महिला आयोग ने भी इस मामले पर गंभीर चिंता जताई और बादशाह को 13 मार्च को पानीपत डी.सी. ऑफिस में पेश होने का समन जारी किया। आयोग का कहना है कि वीडियो में हरियाणा की छात्राओं को आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है। आयोग ने फिल्म सेंसर बोर्ड से भी गाने पर रोक लगाने की मांग की है। सोशल मीडिया पर गाने को लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग इसे संस्कृति और छात्राओं की छवि के खिलाफ मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे केवल मनोरंजन का हिस्सा बता रहे हैं। विवाद लगातार बढ़ रहा है और 13 मार्च की पेशी पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग... उड़ान भरते ही अचानक धुआं निकला

-पायलट से सूझ-बूझ दिखाकर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। वे शनिवार सुबह राजधानी लखनऊ से कौशांबी जा रहे थे और सुबह ला मार्टिनियर स्कूल के ग्राउंड से उड़ान भरी। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर से अचानक धुआं निकलने लगा और 2000 फीट की ऊंचाई पर डिस्प्ले बोर्ड बंद हो गया। इसके बाद पायलट ने तकनीकी खराबी को समझते हुए तुरंत लखनऊ एटीसी से संपर्क कर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की इजाजत मांगी।

पायलट ने हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ते ही धुआं बढ़ गया और केबिन में फैल गया। सुरक्षा टीमों के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलीकॉप्टर को सुरक्षित रूप से अमौसी एयरपोर्ट पर उतारा गया। उपमुख्यमंत्री मौर्य तुरंत बाहर निकले आए और अब वे दूसरे हेलीकॉप्टर से कौशांबी के लिए रवाना होने वाले है। वहां उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य केशव बाबू सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, सयारा में दो दिवसीय सरस महोत्सव का उद्घाटन करने वाले है।

बात दें कि यह हेलीकॉप्टर यूपी सरकार का है और इसका संचालन नागरिक उड्डयन विभाग के तहत होता है। विभाग के निदेशक ईशान प्रताप सिंह हैं, जो सीएम योगी के विशेष सचिव भी हैं। केशव मौर्य के हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबियों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 28 फरवरी 2022 को चुनावी सभा के दौरान ईंधन की कमी के कारण कुशीनगर के महावीर इंटर कॉलेज मैदान में, 14 फरवरी 2019 को आजमगढ़ में और 30 मार्च 2018 को रायबरेली के फुरसतगंज में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। ला मार्टिनियर स्कूल से अमौसी एयरपोर्ट की हवाई दूरी करीब 11-12 किलोमीटर है। हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के 50 किलोमीटर दूर बछरावां तक पहुंचा था, जब तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। पायलट की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के कारण उपमुख्यमंत्री सुरक्षित रहे। इस घटना ने हवाई सुरक्षा और सरकारी उड़ानों की तकनीकी जांच की आवश्यकता को फिर से उजागर किया है।

मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं : धीरेंद्र शास्त्री

-बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर काशी पहुंचे एक माह तक रहेंगे एकांतवास में

वाराणसी (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं एक महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा कि परमिशन देना मेरा काम नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस मसले पर चुप्पी साध ली। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि काशी आना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहता है, क्योंकि यह भगवान शिव की नगरी है और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को प्रेरित करती है। उन्होंने इंडियन क्रिकेट टीम के फाइनल में पहुंचने पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इंडियन टीम निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी और देश का नाम रोशन करेगी। शास्त्री ने यह भी कहा कि भारत की सनातन की विचारधारा से पूरे विश्व में शांति आ सकती है। सनातन की संस्कृति में वह ताकत है कि वह विश्व में शांति और संतुलन बना सकती है।

भारत को ईरान युद्ध में खींचा तो नहीं जाएगा, इसका असर साफ नजर आएगा

-कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा- भारत करे युद्ध रुकवाने और शांति की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध का सीधा असर दुनिया पर पड़ रहा है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत को इस युद्ध में खींचा तो नहीं जाएगा लेकिन इसका असर साफ तौर पर नजर आएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थरूर ने कहा कि भारत की कोशिश यही होना चाहिए कि किसी भी तरह से यह युद्ध जल्द रुक जाए। उन्होंने कहा कि भारत को भी युद्ध को रोकने और शांति स्थापित करने में पीछे नहीं रहना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर ने कहा कि भारत के लाखों लोग खाड़ी देशों में रहते हैं। इसके अलावा ईरान में ही बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। वे सभी इस युद्ध से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि करीब एक करोड़ के आसपास भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं। उनका ना केवल आना जाना प्रभावित हुआ है बल्कि जीविका पर भी संकट छा गया है। बता दें अमेरिका ने भारत समेत कई देशों को रूस से तेल खरीदने की 30 दिन की छूट दी है। युद्ध की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने के बाद ट्रंप ने यह फैसला किया है। थरूर ने कहा कि अगर कंपनियां रूस से तेल खरीदती भी हैं तब भी एक महीने बाद उन्हें फिर से समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

थरूर ने शुक्रवार को कहा कि जी20 इस तरह से विकसित हो सकता है जिससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रधानता को खतरा पैदा हो सकता है क्योंकि यह आज की समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है और किसी चार्टर से बाधित नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का अस्तित्व बना रहेगा और भले ही यह वह संयुक्त राष्ट्र नहीं हो सकता है जिसकी 1945 में कल्पना की गई थी, लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का केंद्र होगा। उनका कहना था- मैं जो देख रहा हूं वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कई स्वरूप हैं। उनमें से सबसे उल्लेखनीय जी20 है जो संयुक्त राष्ट्र के विपरीत किसी चार्टर द्वारा बाधित नहीं है।

बजट सत्र का दूसरा चरण: 9 मार्च को स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना

भाजपा और कांग्रेस ने सांसदों को जारी किया तीन-लाइन व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत ही राजनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। इस मुद्दे को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस ने अपने सांसदों को निर्देश दिया है कि वे इन दिनों सदन में उपस्थित रहें, क्योंकि विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने का निर्देश देते हुए महत्वपूर्ण मतदान के लिए तैयार रहने को कहा है। दरअसल, विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसके बावजूद पार्टी सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के सांसद पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुसार प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं और मतदान के दौरान स्पीकर के खिलाफ वोट देने की संभावना है।

विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया। इसी आरोप के आधार पर उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया है।

संसदीय नियमों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। हालांकि मौजूदा लोकसभा की संख्या बल को देखते हुए इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना कम मानी जा रही है। वर्तमान में एनडीए के पास लगभग 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है, जो प्रस्ताव को पारित होने से रोकने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है।

प्रक्रिया के तहत जब इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी, तब लोकसभा अध्यक्ष स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे। हालांकि उन्हें अपनी बात रखने और प्रस्ताव पर होने वाले मतदान में हिस्सा लेने का अधिकार होगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत से पहले ही इस मुद्दे ने संसद के भीतर के राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है।

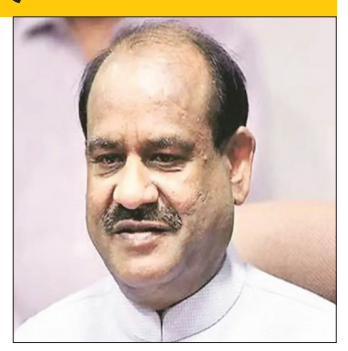

महिला कर्मचारियों के लिए आज से शुरु होगा, यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने के लिए एप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय ने महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर होने वाले सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकायत दर्ज कराने के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) एप में एक नया फीचर शुरू करने का फैसला किया है। यह फीचर 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से शुरू होगा। इसके जरिए महिला कर्मचारी अपनी शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगी, जो संबंधित आंतरिक शिकायत समिति (आईसी) तक तुरंत पहुंच जाएगी। मंत्रालय के अनुसार सेक्सुअल हैरेसमेंट इंसीडेंट नॉटिफिकेशन फॉर एम्पॉवरमेंट नाम का मॉड्यूल शिकायतों को गोपनीय तरीके से और जल्दी निपटाने में मदद करेगा। इस पोर्टल पर बाहरी महिला आगंतुकों, ठेका कर्मचारियों, मजदूरों या छात्रों की ओर से भी शिकायत दर्ज की जा सकेगी।

धूप दिखाने लगी अपना असर, दिल्ली में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से दो या तीन डिग्री ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली में भी चटक धूप पढ़ने से तापमान बढ़ गया है। शुक्रवार को राजधानी दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से सात डिग्री ज्यादा था। दिल्ली में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में भी गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। 7 मार्च तक मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है। यूपी में फिलहाल बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। राज्य के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी। कुछ जगहों पर हल्के बादल छाए रह सकते हैं। इससे गर्मी से निजात नहीं मिलने वाली।

पंजाब और हरियाणा में भी लगातार पारा बढ़ने का अनुमान है। यहां सर्दी की करीब विदाई हो चुकी है। पंजाब और हरियाणा में दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री के आसपास रह सकता है। वहीं राजस्थान में भी तापमान सामान्य से ज्यादा है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के ऐक्टिव होने की वजह से बाड़मेर और आसपास के इलाकों में 30 से 35 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते शनिवार से उत्तराखंड के मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर उत्तराखंड मे 12 मार्च तक देखने को मिल सकता है। शनिवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी चमोली पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 4000 मी व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विभाग ने राज्य के अन्य जनपदों में मौसम शुष्क होने की संभावना जताई है। इसी तरह 8 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी चमोली पिथौरागढ़ के कुछ क्षेत्रों में हेल स्काई लाइटनिंग के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

देहरादून स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक ने बताया कि 8 मार्च को पर्वतीय जिलों के 3800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर हिमपात होने के आसार हैं। इसके बाद 9 मार्च को एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग चमोली बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की बरसात के साथ आकाशीय बिजली चमकने की संभावना है, साथी पहाड़ी जिलों के 3800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी बारिश की संभावना है।

नीतीश मामले पर बोले विजय गोयल- 75 वर्ष के बाद राजनीति से स्वैच्छिक विराम की परंपरा बने

-कहा— नए नेताओं को मिलना चाहिए अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 75 वर्ष की आयु के बाद सक्रिय राजनीति से स्वेच्छा से हटने की परंपरा विकसित होनी चाहिए, ताकि नए नेताओं को आगे आने का अवसर मिल सके।

भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने के फैसले पर अनावश्यक हंगामा खड़ा किया जा रहा है, जबकि असली बहस इस बात पर होनी चाहिए कि वरिष्ठ नेताओं को एक निश्चित आयु के बाद सक्रिय राजनीति से स्वयं पीछे हटने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोकतंत्र में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और वरिष्ठ नेता अपने लंबे सार्वजनिक जीवन का शांतिपूर्वक मूल्यांकन भी कर सकेंगे। दरअसल भाजपा नेता विजय गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा कि सभी जानते हैं कि नीतीश कुमार का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा है। ऐसे में वे राज्यसभा जाएं या न जाएं, इससे न उन्हें कोई विशेष फर्क पड़ता है और न ही देश या राज्य की राजनीति पर बड़ा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इस विषय को लेकर अनावश्यक रूप से हाय-तौबा मचाई जा रही है।

गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उनके इस फैसले के बाद जनता दल (यू) के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनसे निर्णय पर पुनर्विचार करने की अपील की है। हालांकि 6 मार्च को हुई पार्टी बैठक में नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया कि वे राज्यसभा जाएंगे, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे बिहार की राजनीति और पार्टी से जुड़े रहेंगे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों और पार्टी नेताओं से कहा कि वे चिंता न करें और संगठन को मजबूत करने के लिए काम जारी रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे राजनीति से संन्यास नहीं ले रहे हैं।

अमेरिका के साथ संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने हमें मजबूर नहीं कर सकती: भारत

-ईरानी युद्धपोत को डुबाने को लेकर अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी ने किया झूठा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के दक्षिणी समुद्री तट के पास हिंद महासागर में अमेरिका ने ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को परमाणु पनडुब्बी से टॉरपीडो हमला करके डुबोया है, उसके बाद भारत और अमेरिका के बीच हुई एक दशक पुरानी संधि लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट की अहमियत बढ़ गई है। दरअसल, बिना संधि का जिक्र किए अमेरिकी सेना के एक पूर्व अधिकारी ने इसकी ओर इशारा करते हुए एक झूठा दावा किया है, जिसके बाद इसे समझना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने के लिए हमें मजबूर नहीं कर सकती।

भारत और अमेरिका ने 29 अगस्त, 2016 को लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे। यह एक तरह से बुनियादी सैन्य समझौता है, जिसके तहत एक-दूसरे को ईंधन भरने, सप्लाई और मरम्मत के लिए मिलिट्री सुविधाओं के आपसी इस्तेमाल की सुविधा मिलती है।

अमेरिका की कई देशों के साथ ऐसी संधि है। यह संबंधित देशों और अमेरिका के बीच आपसी सैन्य सहयोग के लिए की गई है। यह संधि मूल रूप से दोनों देशों को सैन्य गतिविधियों के लिए ईंधन और मरम्मत जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। भारत-अमेरिका लंबे समय से साझा युद्धाभ्यास करते हैं, जिसमें इस तरह की प्रैक्टिस हमेशा से रही है। इस संधि के जरिए सिर्फ इस प्रक्रिया को स्ट्रीमलाइन किया गया है और दोनों ओर से भुगतान और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं के उपयोग के लिए नोडल प्वाइंट तय किए गए हैं।

आपस में लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के अलावा यह संधि मुख्य तौर पर चार क्षेत्रों को कवर करती है। इसमें पोर्ट कॉल, संयुक्त युद्धाभ्यास, साझा मिलिट्री ट्रेनिंग और मानवीय सहायता के साथ-साथ आपात स्थिति में मदद करना शामिल है। हालांकि, किसी भी स्थिति में इस संधि पर अमल दोनों तरफ से आपसी सहमति से ही हो सकता है, जो मामले पर निर्भर करता है। इस समझौते में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है। भारत की धरती पर अमेरिकी सैनिक या संपत्ति का कोई अड्डा नहीं हो सकता है। यह पूरी तरह से एक लॉजिस्टिक समझौता है। भारत जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैन्य सुविधाओं का जरुरत के मुताबिक लॉजिस्टिक इस्तेमाल कर सकता है और यही अमेरिका भी भारत में कर सकता है।

यह समझौता भारत को किसी भी संघर्ष में शामिल होने का दबाव नहीं डाल सकता और न ही इसकी वजह से भारत स्वतः किसी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष में शामिल होने को मजबूर है। दरअसल, अमेरिकी सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी ने एक अमेरिकी मीडिया चैनल पर झूठा दावा किया कि अमेरिका ईरान पर हमले के लिए भारतीय नौ सैनिक अड्डे का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो हमले में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के बाहर हिंद महासागर में डुबोया है।

भारत का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन भारतीय समुद्र तट से करीब 370 किलोमीटर या 200 नॉटिकल मील तक फैला है। मतलब, श्रीलंका के दक्षिणी तट से दूर जिस जगह पर अमेरिकी हमला हुआ, वह भारतीय समुद्री सीमा से बहुत दूर है। आईआरआईएस डेना में 130 ईरानी नाविक सवार थे, जिनमें अमेरिकी हमले में 87 लोगों की मौत हो गई और 32 को श्रीलंकाई नेवी ने रेस्क्यू किया। आईआरआईएस डेना से आपात संदेश मिलने के बाद भारतीय नौ सेना भी सर्च ऑर रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सृजन, शक्ति का पर्याय है नारी,
त्याग, समर्पण की मिशाल है नारी।
मां, बहिन और पत्नि भी है नारी,
इस दुनियां में बेमिशाल है नारी।

नारी में जहां एक ओर कोमलता, भावुकता, संवेदनशीलता, प्रेम, दया, करूणा और सेवा की भावना है वहीं दूसरी ओर वह त्याग, वीरता और समर्पण की प्रतिमूर्ति भी है। वह एक चंचल नदी के सदृश्य राग, द्वेश ईर्ष्या रूपी कीचड़ को दूर कर निर्झर पावन सलिला सी आगे बढ़ती जाती है। आज हमारे समाज में महिला साक्षरता में आशातीत वृद्धि हुई है। महिलाएं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरुक भी हुई है। हम नारियों को भ्रष्टाचार, यौन शोषण, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के विरुद्ध ठोस कदम उठाना होगा, तभी इनका उन्मूलन हो सकेगा। पुरुषों को अपनी पुरुष प्रधान मानसिकता को बदलना होगा।

नारी कदम
प्रगति पथ पर अग्रसर

(डॉ.संध्या शुक्ल 'मृदुल', जबलपुर)

इतिहास साक्षी है कि हर काल में नारी पूजनीय एवं वंदनीय रही है। नारी ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। महिलाओं को उनके अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति जागरुक कराने हेतु प्रति वर्ष 8 मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है। महिला दिवस मनाने की परंपरा लगभग 100 वर्ष पुरानी है। 1908 में न्यूयार्क सिटी में 15000 कामकाजी महिलाओं ने अपनी कुछ मांगों को पूरा करवाने हेतु एक विशाल रैली निकाली थी। इसके बाद 1909 में 28 फरवरी को पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष मनाने की घोषणा की गई। 1913 में भारत शासन ने 8 मार्च को हमेशा के लिए महिला दिवस की तिथि नियत कर दी। विश्व स्तर महिलाओं के महत्व को स्वीकारते हुए संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1975 को महिला वर्ष घोषित किया है। भारत में जहां सीता, सती सावित्री, गार्गी आदि विदुषी महिलाओं ने अपने कार्यों की अमिट छाप छोड़ी है, वहीं मातृभूमि की रक्षा की खातिर देश पर मर मिटने वाली लक्ष्मीबाई, अवंती बाई, दुर्गावती, झलकारी बाई आदि के अप्रतिम शौर्य, साहस और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। इन नारियों के लिए कहा जा सकता है-

सती सावित्री, और सीता,
इंदिरा और लक्ष्मी रानी हूं।
देश पर मर मिटने वाली,
अवंती और दुर्गा रानी हूं।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में श्रीमती सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी, विजयलक्ष्मी पंडित, ऐनी बेसेंट, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि अनेक महिलाओं ने तन, मन, धन से सहयोग दिया है। स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की ऐसी भागीदारी देखकर महात्मा गांधी ने कहा था कि यदि भारत की नारी इस प्रकार जागृत हो जाये तो कोई भी ताकत देश को स्वतंत्र होने से नहीं रोक सकती।

नारी केवल घर की शोभा नहीं है वरन् समय-समय पर उसने घर से निकलकर समाज और राष्ट्र के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। मध्य काल में जहां रानी अहिल्याबाई एवं जीजाबाई ने कुशल प्रशासन व न्यायप्रियता का परिचय दिया है, वहीं रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गावती और अवंतीबाई ने देश की रक्षा की खातिर एक वीर योद्धा की भांति लड़ते-लड़ते स्वयं को कुर्बान कर वीरता की मिशाल कायम की है।

साहित्य के क्षेत्र में महादेवी वर्मा, और सुभद्रा कुमारी चौहान ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक चेतना जागृत की और लोगों के हृदय में स्वतंत्रता के प्रति राष्ट्रीय भावना पैदा की थी। वर्तमान समय में नारी ने द्रुत गति से प्रगति पथ पर कदम बढ़ाये हैं। आज वह हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम कर रही है। खेल जगत में जहां एक ओर सानिया मिर्जा ने अल्प समय में नारी खेल प्रतिभा के रूप में ख्याति अर्जित की है वहीं किरण वेदी जैसी सशक्त नारी ने एक लंबे समय तक पुलिस आफीसर के रूप में राष्ट्रीय सुरक्षा की कमान थाम अपनी अभूतपूर्व क्षमता का परिचय दिया। लौह नारी और राजनैतिक जगत की आंधी को कौन नहीं जानता? जिन्होंने अपने मधुर स्वभाव, कुशल प्रशासनिक क्षमता व बेहद लगनशीलता के कारण राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है और अनेक वर्षों तक कुशलता पूर्वक इस देश की प्रशासनिक बागडोर सम्हाले रखा व जन-जन की प्रिय नेता के रूप में जानी गयीं। जी हां, वो नारी इंदिरा गांधी ही थीं।

आज भी नारी शक्ति की प्रतीक सोनिया गांधी अखिल भारतीय स्तर पर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपने राजनैतिक दायित्वों का पूरी कर्मठता के साथ निर्वहन कर रहीं हैं।

आज घर से निकलकर जहां नारी ने समाज एवं देशहित में योगदान दिया है वहीं उसने हिमालय की चोटी और अंतरिक्ष में पहुंचकर अदम्य नारी शक्ति का परिचय दिया है। अंतरिक्ष में सर्वप्रथम कदम रखने वाली कल्पना चावला के बाद भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छः माह तक रहने की घोषणा कर नारी शक्ति का अहसास कराया है, तथा समाज एवं देश के लिए एक मिशाल कायम की है। वे 15 जुलाई 2012 को अंतरिक्ष में गई थीं, और वे 127 दिनों तक अंतरिक्ष में रहीं। पूर्व में भी वे 9 दिसंबर 2006 से 22 जून 2007 तक अंतरिक्ष में रह चुकी हैं। कुल मिलाकर उन्होंने 322 दिन अंतरिक्ष में बिताए हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली वे दूसरी अनुभवी महिला हैं। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ प्रतिज्ञ महिलाओं के लिए कोई कार्य असंभव नहीं है। पूर्व में श्रीमती प्रतिभा पाटिल राष्ट्रपति के रूप देश की बागडोर संभाली वहीं वर्तमान में सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बैनर्जी, मीरा कुमार देश के राजनैतिक क्षेत्र में अपना सशक्त योगदान दे रहीं हैं। निःसंदेह ये नारियां वंदनीय, सम्मानीय और नारी शक्ति के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

नारी में जहां एक ओर कोमलता, भावुकता, संवेदनशीलता, प्रेम, दया, करूणा और सेवा की भावना है वहीं दूसरी ओर वह त्याग, वीरता और समर्पण की प्रतिमूर्ति भी है। वह एक चंचल नदी के सदृश्य राग, द्वेश ईर्ष्या रूपी कीचड़ को दूर कर निर्झर पावन सलिला सी आगे बढ़ती जाती है। आज हमारे समाज में महिला साक्षरता में आशातीत वृद्धि हुई है। महिलाएं अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरुक भी हुई है। हम नारियों को भ्रष्टाचार, यौन शोषण, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के विरुद्ध ठोस कदम उठाना होगा, तभी इनका उन्मूलन हो सकेगा। पुरुषों को अपनी पुरुष प्रधान मानसिकता को बदलना होगा। वे नारियों को हाड़-मांस का पुतला नहीं वरन अपनी सहकर्मी, सच्ची दोस्त, आदर्श पत्नी एवं समकक्ष मानें और अपनी कुत्सित भावनाओं का परित्याग कर नारियों के प्रति आदर व सम्मान की भावना रखें, तभी नारी सशक्तिकरण की कल्पना साकार होगी।

नारियों के लिए यदि ऐसा कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी कि,

एक कदम गर मेरा बढ़ाओगे,
दस कदम स्वयं बढ़ लूंगी मैं।
प्यार और प्रोत्साहन जो दोगे,
अंतरिक्ष छूकर दिखा दूंगी मैं।

नारी महिमा

-ऊषा शिवहरे 'नीरांजना', दमोह

नारी तू बड़ भाग्यनी, बहुत तपस्या कीन्ह।
तीन लोक चौदह भवन, हैं तेरे आधीन।।

शक्ति से शव शिव बने, जीवन के आधार।
लक्ष्मी संग विष्णु बने, जग के पालनहार।।

नारी तू कुलतारिणी, घर को स्वर्ग बनाये।
घर रहता तेरा ऋणी, गृहणी तू कहलाये।।
नारी तू है धारिणी, सत्यशील क्षमावान्।
धैर्य धरे दाता बनी, कहते अवनि समान।।

नारी तू अनुगामिनी, पति संग चलती जाये।
हर विपदा खुद सहे, पति को रहे बचाये।।
नारी धुरी परिवार की, सबको साथ चलाये।
पर जब वह चाहे यही, कोई साथ न आये।।

नारी प्रेम परी है, सब पर प्रेम लुटाये।
चाह उसे भी प्रेम की, पर रहे प्रेम ललाय।।
नारी हरदम बनी भोग्या, भोग सकी न भोग।
भोगत-भोगत चल बसी, हो मौन परलोक।।

नारी अबला अब नहीं, न ही है लाचार।
सहने की क्षमता अधिक, कोमल हरदम अपार।।
शिक्षित सक्षम वो बनी, सत्य धर्म आधार।
ले संकल्प प्रगति का, सृजन करे संसार।।

नारी से नर बने, बिन नारी नर नाये।
बात नेक सी है, पर समझ काय न आये।।

नर-नारी दो पलड़े, मिलकर तुला बनाये।
बिना दोनों के संतुलन, सही तौल न कहाये।।

नर-नारी दो चाक, रथ में एक समाय।
एक-दूजे के बिना, रथ सरक न पाये।।
नारी नर से भली, दुःख सह सुख दे जाये।
पर नर सुख वास्ते, दुःख देता ही जाये।।

नर से नारी का बैर नहीं, न उसे अभिमान।
करे गुजारिश वह जरूर, करो न उसका अपमान।।

नारी

- सरिता गुप्ता, दिल्ली

मुझे गुरुर मैं नारी हूं
शबनम हूं चिंगारी हूं
कदम-कदम पर ठोकर खायी
पर न फिर भी हारी हूं
मैं ममता का सागर हूं
मैं करूणा की प्याली हूं
पर आन पे जब बन जाती
बनती तभी कटारी हूं
कोमल हूं सुकुमारी हूं
इकली सौ पर भारी हूं
अपनों पर मिट जाती हूं
कदमों में बिछ जाती हूं
पर जब अपने ही छलते हैं
तब मैं टूट जाती हूं
'सरिता' बनकर बहती हूं
हर गम में खुश रहती हूं
हर गम को आंख में पीती हूं
किसी से कुछ नहीं कहती हूं,
सारी दुनिया से न्यारी हूं
मुझे गुरुर मैं नारी हूं
शबनम हूं चिंगारी हूं...।

नारी एक-रूप अनेक

नारी तो प्यारी है, प्यार की पुजारी है।
पूजे भी नारी और पूज्य भी नारी है।
नारी एक अनेक रूप धारी है,
अवनि वन, जग की आधारी है।
राष्ट्रवन, वीरों की महतारी है,
शक्तिवान दुष्टों की संहारी है।
(सावित्री) प्रेयसी बन, पति को तारी है।
नारी ही नर की दाता, धैर्य की भंडारी है।
नारी तो नियति की कृति अति न्यारी है।
आंचल में क्षीर, नयनों में नीर
हृदय में धीर, विपत्ती में वीर
हो अति गंभीर, जग को संवारी है
देके दुलार, जगताधार की दुलारी है
नारी नहीं हारी, न अबला बेचारी है
नारी तो नियति की कृति अति न्यारी है।

-ऊषा शिवहरे 'नीरांजना', दमोह